सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 332 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 15 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बैकुंठपुर में 12 हाथियों के दल ने रौंदी धान की फसल

कोरिया। बैकुंठपुर वन मंडल क्षेत्र में 12 हाथियों के दल की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। हाथियों का दल दिनभर दामुज क्षेत्र में आराम करने के बाद रात में नगर और दुर्गापुर गांव क्षेत्र को पार करते हुए भंडारपारा के रास्ते सलका गांव की कांदाबाड़ी पहुंचा। हाथियों के दल ने क्षेत्र में खेतों में लगी धान की फसल भारी को नुकसान पहुंचाया है।

एयर इंडिया के सीईओ को मंत्रालय ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एअर इंडिया के सीईओ तेवोल्डे गेब्रेमारियम को दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन चूक के मामले में मंगलवार को समन भेजकर जवाब तलब किया है। यह मामला तीन इटेलियन पैसेंजर्स से जुड़ा है। ये तीनों पैसेंजर्स 4 सितंबर को अमृतसर से दिल्ली आए थे और उसके बाद म्यूनिख के लिए लुफ्थांसा की फ्लाइट ली थी। यात्री इमिग्रेशन चेकपॉइंट तक नहीं गए और बिना जांच के अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में सवार हो गए। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इसे गंभीर चूक माना है। मंत्रालय ने पूछा है कि विदेशी नागरिक बिना जरूरी इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी किए एयरपोर्ट से कैसे रवाना हो गए।

केदारनाथ यात्रा लगातार तीसरे दिन बंद, 500 तीर्थयात्री फंसे

नई दिल्ली। उत्तराखंड में केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास पहाड़ी से लगातार पत्थर गिरने के कारण केदारनाथ यात्रा तीसरे दिन भी बंद है। सुरक्षा बलों के जवानों ने करीब 7 हजार यात्रियों को सुरक्षित निकालकर गौरीकुंड की ओर भेज दिया है। फिलहाल 500 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं। केदारनाथ धाम के लिए आज से हेलीसेवाएं शुरू हो गई हैं, हालांकि पैदल यात्रा अभी भी रोकी गई है। वहीं, बिहार में 15 जिलों में 49.67 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य की 5 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 22 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

2,000 तक यूपीआई पेमेंट पर कोई चार्ज नहीं लगेगा

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने यूपीआई पेमेंट को लेकर स्थिति साफ कर दी है। सरकार ने कहा कि 2,000 रु. तक के यूपीआई पेमेंट पर बैंक या पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर डायरेक्ट या इनडायरेक्ट फीस नहीं लगा सकते। रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले पेमेंट को भी इस दायरे में रखा गया है। दरअसल, संसद ने अगस्त में टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पास किया था। इसके जरिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में बदलाव किया गया। इससे सरकार को यह तय करने का अधिकार मिला कि किन डिजिटल पेमेंट पर फीस नहीं लगेगी।

गणेशोत्सव में बस्तर की महिलाओं ने ढूंढा अवसर, इको-फ्रेंडली मूर्तियों से कमाए 1.80 लाख रुपये

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ के बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड स्थित तारापुर गांव की महिलाओं ने अपनी लगन और हुनर से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को अवसर में बदलते हुए अपने हुनर को व्यावसायिक रूप दे दिया। मिट्टी से गणेश मूर्ति का निर्माण कर 'सिद्धि स्व सहायता समूह' की ग्रामीण महिलाओं ने इस गणेश चतुर्थी पर पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) प्रतिमाएं बनाकर महज कुछ हफ्तों में 1.80 लाख रुपये की बंपर कमाई की है।

शांति नागवंशी, दसो भारती और रोमा नागवंशी के नेतृत्व में समूह की महिलाओं ने शुद्ध मिट्टी से बिना किसी हानिकारक केमिकल और कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल किए 52 मनमोहक गणेश प्रतिमाएं तैयार की थीं। बाजार में आते ही इन पर्यावरण-हितैषी मूर्तियों की भारी मांग देखने को मिली और पूरा स्टॉक हाथों-हाथ बिक गया।

समूह की सदस्य शांति नागवंशी ने खुशी जताते हुए कहती हैं कि अपनी मेहनत से गढ़ी मूर्तियों की पूजा होते देखना और स्वयं की कमाई हासिल करना उनके लिए किसी सपने के पूरा होने जैसा है। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग वे परिवार की जरूरतों को पूरा करने और बच्चों की शिक्षा में करेंगे।

सीमित संसाधनों के बीच शुरू हुई तारापुर की इन महिलाओं की यह पहल न केवल पूरे जिले में सराही जा रही है, बल्कि आसपास के क्षेत्रों की अन्य महिलाओं को भी आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दे रही है।

छत्तीसगढ़ में अच्छी पहल : प्रधानमंत्री आवास पर उपमुख्यमंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री के बीच खुली बहस

हर्षित अग्रवाल

रायपुर। प्रधानमंत्री आवासों को लेकर एक तरफ जहां विष्णुदेव साय सरकार अपनी उपलब्धियां गिना रही है वहीं इस मुद्दे पर पूर्ववर्ती सरकार लगातार हमलावर है। साय सरकार में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इस विषय में खुली बहस की चुनौती दी थी। भूपेश बघेल ने चुनौती स्वीकार की और आज प्रेस क्लब में दोनों पक्षों के बीच खुली बहस हुई। बहस को सभी चैनलों पर लाइप कवर किया गया।

ढाई साल में खर्च किए 16 हजार करोड़ : विजय शर्मा

बहस में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा- ये अच्छी परंपरा है, आमने-सामने होकर स्थिति और स्पष्ट हो जाती है उन्होंने बताया कि सरकार ने 17 लाख 75 हजार आवास पूर्ण किए हैं जिसके पूरे आंकड़े भारत सरकार की वेबसाइट पूरे हैं। उन्होंने बताया कि 2025-26 में छत्तीसगढ़ ने देश में सर्वाधिक पीएम आवास बनाए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में वित्तीय वर्ष की स्वीकृति में आवास पूर्ण नहीं हुए थे। उन्होंने कहा कि 3 लाख आवास कांग्रेस सरकार ने पूर्ण किए, जबकि 16 हजार करोड़ भाजपा सरकार ने ढाई वर्ष में खर्च किए।

2022-23 में बंद कर दिया गया था पोर्टल : भूपेश बघेल

बहस में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा- 2018 में 3 लाख 48 हजार 960 घर स्वीकृत हुए। 1 लाख 39 हजार मकान पूर्ण हुए। 2020-21 में 1 लाख 97 हजार 811 का लक्ष्य था। 1 लाख 22 हजार आवास पूरे हुए। कोरोना काल में किसी सरकार के पास पैसा नहीं था। 2022-23 में पोर्टल बंद कर दिया गया। हमने भारत सरकार से अपना पैसा मांगा, चिट्ठी लिखी गई। पत्राचार किया गया। 2011 की जनगणना के अनुसार 18 लाख आवास बचे थे। 6 लाख 97 हजार हमने स्वीकृत किए।

इस बहस को इसलिए खास माना जा रहा है, क्योंकि छत्तीसगढ़ की राजनीति में पहली बार सरकार में जिम्मेदार पद पर बैठे नेता और पूर्व मुख्यमंत्री किसी एक मुद्दे पर सार्वजनिक मंच पर सीधे आमने-सामने हुए। खुली बहस को देखते हुए रायपुर प्रेस क्लब परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी।

बहस से पहले डिप्टी सीएम ने जारी किए आंकड़े

बहस से पहले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की ओर से पीएम आवास योजना से जुड़े आंकड़े जारी किए गए हैं। जारी दस्तावेज के अनुसार, 18 लाख आवासों के लक्ष्य से जुड़े विभिन्न घटकों में कुल 18,12,742 आवास शामिल हैं। साय सरकार ने 13,17,352 आवास स्वीकृत किए जबकि 11,51,431 आवास पूर्ण हो चुके हैं। दस्तावेज के अनुसार, वर्ष 2016 से 2023 तक शेष बचे अधूरे आवासों की संख्या 2,46,215 थी। इनमें से 1,95,441 आवास पूर्ण किए गए हैं। वहीं, स्थायी प्रतीक्षा सूची में शामिल परिवारों के लिए 6,99,438 आवास का विवरण दिया गया है। इनमें से 5,86,788 आवास नई सरकार के गठन के बाद स्वीकृत हुए और 4,69,782 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं।

सेवा संकल्प अभियान को बनाएं जनभागीदारी का उत्सव : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' से पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ जुड़ने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों के नाम जारी अपनी अपील में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। श्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के परिप्रेक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे देश में 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है। सेवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। प्रदेश का प्रत्येक नागरिक अपनी सहभागिता से इस अभियान को जनसेवा और जनभागीदारी का व्यापक उत्सव बनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान सेवा के भाव को जन-जन तक पहुंचाने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को सहभागिता के साथ निभाने का अवसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे अपने गांव, शहर और आसपास स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता और जनसेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को भी इस अभियान से जोड़ें।

श्री साय ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण और विकास की योजनाओं ने लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। पक्का आवास, स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क, बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है।

नीला ड्रम कांड मामले का कोई चश्मदीद नहीं

मेरठ (ए.)। यूपी के मेरठ में तीन मार्च, 2025 को हुए सौरभ हत्याकांड में नया मोड़ आ गया है। जिला जज कोर्ट में इस केस की सुनवाई अब अंतिम दौर में है। बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी है कि सौरभ की हत्या करते हुए मुस्कान और साहिल को किसी ने नहीं देखा। इस मामले में कोई चश्मदीद नहीं है। आरोप है कि हत्या के बाद दोनों ने शव को नीले ड्रम में भरकर उसे सीमेंट से जमा दिया था। सौरभ लंदन में काम करता था और एक महीने पहले ही लौटा था।

वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के पूर्व में दिए गए आदेश में कोर्ट में रखे। अब बुधवार को अभियोजन पक्ष की तरफ से बचाव पक्ष की दलीलों का जवाब दिया जाएगा।

जिला अदालत में बचाव पक्ष के वकीलों ने कहा कि वारदात की रात साहिल शुक्ला को किसी ने सौरभ और मुस्कान के घर जाते हुए नहीं देखा। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं होता कि सौरभ की हत्या साहिल और मुस्कान ने की है। इससे पहले अभियोजन पक्ष गवाहों के बयान और बरामदगी के आधार पर दलील देकर आरोपियों को सख्त सजा देने की मांग कर चुका है।

बारिश में अवसर, हीरे की तलाश में पहुंचने लगे लोग

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना की धरती हीरा उगलती है। वहीं, बारिश के दिनों में नदियों से निकलने वाली चाल में भी उस क्षेत्र के लोग हीरे की तलाश करते हैं। लोग मानते हैं कि इससे भी हीरा निकलता है। हीरे की तलाश में बड़ी संख्या में लोग विश्रामगंज रेंज के रुंझ डैम डूब क्षेत्र में पहुंच गए। हीरे की तलाश में वे नदी किनारे तंबू लगाकर रह रहे हैं।

बच्चों के यौन शोषण मामलों की जानकारी साझा करेगा मेटा

नई दिल्ली (ए.)। टेक कंपनी मेटा ने बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े दूसरे मामलों की जानकारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने पर सहमति जताई है।

यह सहमति केंद्र सरकार और मेटा की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर हानिकारक कंटेंट पर रोक लगाने को लेकर जारी बातचीत में बनी है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत में काम करने वाले किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा जरूरी है। इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

सरकार ने साफ किया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए खुद से जरूरी कदम नहीं उठाने वाले प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मेटा का यह फैसला बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षित रखने की दिशा में शुरुआती कदम है। सरकार दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ भी बातचीत कर रही है। ऑनलाइन इंटरमीडियरीज से भी बच्चों से जुड़े हानिकारक कंटेंट की पहचान कर उसे हटाने को कहा गया है।

सीजीपीएससी घोटाले में जांच तेज, 12 संदेहियों से पूछताछ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग से जुड़े कथित पर्चा लीक और चयन में अनियमितता के मामले में ईडी की जांच तेज हो गई है। एजेंसी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के तत्कालीन ओएसडी बताए जा रहे और वर्तमान अपर कलेक्टर चेतन बोरघरिया को गिरफ्तार किया है।

बलरामपुर से गिरफ्तारी के बाद चेतन बोरघरिया ईडी की रिमांड पर हैं। ईडी उनसे कथित आर्थिक लेन-देन के साथ ही सीजीपीएससी की चयन प्रक्रिया से जुड़े पहलुओं पर पूछताछ कर रही है। जांच में 3.2 करोड़ रुपए के कथित लेन-देन से जुड़ी चैट डिटेल सामने आई है।

ईडी की टीम इस लेन-देन से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। अधिकारियों की टीम मामले में 12 संदेहियों से भी पूछताछ कर रही है।

ईडी अब उन अभ्यर्थियों और अन्य लोगों से भी पूछताछ कर रही है, जिनसे कथित तौर पर चेतन बोरघरिया तक रकम पहुंचने की बात जांच में सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक विकास चंद्राकर और उत्कर्ष चंद्राकर के माध्यम से रकम देने के आरोपों से जुड़े अभ्यर्थियों समेत 12 लोगों को तलब किया गया है।

जांच में करीब 3.2 करोड़ रुपए के कथित लेन-देन को अहम माना जा रहा है। श्रेष्ठ यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पर्चा उपलब्ध कराने और चयन में मदद के नाम पर कथित तौर पर जुटाई गई रकम में से कितनी राशि चेतन बोरघरिया तक पहुंची। इसके बाद यह पैसा किन लोगों के बीच ट्रांसफर हुआ।

फिल्म के बाद एक बार फिर आकर्षण का केन्द्र बना चर्च लेन का यह आवास

प्रयागराज चर्च लेन के इस घर में हर साल आते थे बाबा नीम करौली

प्रयागराज (ए.)। प्रयागराज एक ऐसा शहर है जहां आस्था अक्सर सड़कों और घाटों पर झलकती है। यहां चर्च लेन की एक शांत गली में बना एक साधारण सा घर इन दिनों भक्तों को अपनी ओर खींच रहा है। यहां न तो कोई मंदिर का बोर्ड है, न कोई मूर्ति और न ही प्रार्थनाओं का शोर-शराबा, जिससे इस स्थान के आध्यात्मिक महत्व के संकेत मिलते हों। फिर भी हर शाम को लोग 18/4, चर्च लेन स्थित उस साधारण से घर में सिर झुकाने के लिए आ रहे हैं। इस घर में नीम करौली (नीब करौरी) बाबा आया करते थे।

एनबीटी ने खबर दी है कि इस साधारण से घर को एक पवित्र स्थान माना जाता है। श्रद्धालुओं का का मानना है कि संत की मौजूदगी आज भी यहां महसूस की जा सकती है।

यह घर इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे सुधीर मुखर्जी का

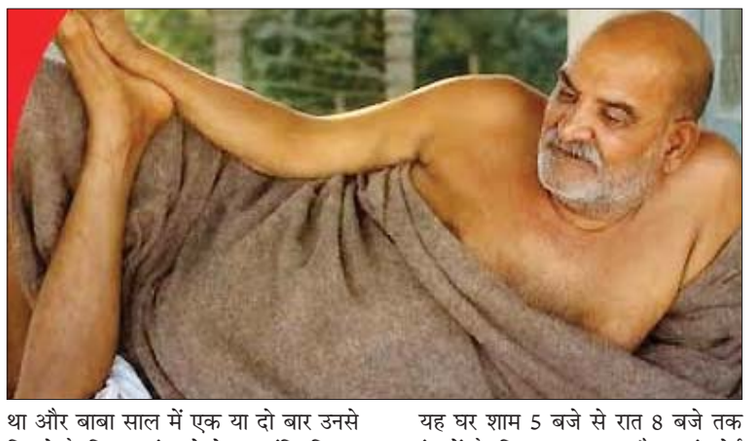

था और बाबा साल में एक या दो बार उनसे मिलने के लिए यहां आते थे। हालांकि फिल्म 'हनुमान अंश' की शूटिंग इस घर में नहीं हुई थी, लेकिन फिल्म में बाबा का जिक्र होने से लोगों की उनमें दिलचस्पी फिर से बढ़ गई है। यही कारण है कि लोग यहां आने लगे हैं।

यह घर शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक आगंतुकों के लिए खुला रहता है। यहां कोई चढ़ावा स्वीकार नहीं किया जाता। लोगों को केवल दर्शन करने की अनुमति है। दर्शन के बाद लोगों को सत्या पांडे और उनके पति इंद्रेश प्रसाद में लड्डू देते हैं। यह दोनों इस घर की देखभाल करते हैं।

प्रोफेसर मुखर्जी की बाबा से कोलकाता में हुई थी मुलाकात

बाबा नीम करौली और प्रोफेसर मुखर्जी का संबंध लगभग एक सदी पुराना है। ढाका के पास गोमोर गांव में जन्मे सुधीर मुखर्जी की बाबा से पहली मुलाकात सन 1935 में कोलकाता के दक्षिणेश्वर मंदिर में हुई थी। वहां बाबा ने उन्हें जपने के लिए एक मंत्र दिया था। जब सुधीर मुखर्जी सन 1950 में पढ़ाई करने के लिए इलाहाबाद (अब प्रयागराज) आए और कर्नल गंज में अपने मामा के घर रुके, तो उनकी बाबा से फिर मुलाकात हुई। तब बाबा भी उसी घर में रुके थे। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के तौर पर नौकरी शुरू करने के बाद मुखर्जी ने बाबा से प्रेरित होकर सन 1956 में चर्च लेन वाला घर बनवाया था।

संपादकीय

हिमालयी पानी बम

हिमनद झीलों की साझी निगरानी रोकेगी तबाही

नेपाल की प्रलयंकारी बाढ़ ने हिमालयी सीमा में बसे देशों की सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग से निरंतर बनती हिमनद झीलों के भयावह खतरों के प्रति सचेत किया है। यह संकट एक देश की सीमाओं से परे पूरे हिमालयी क्षेत्रों में व्याप्त है। ऐसे में निगरानी तंत्र को मजबूत करने और इसके दायरे में आने वाले देशों, राज्यों और शहरों को समय रहते सूचना देने के लिए एक प्रभावी सिस्टम विकसित करने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साल 2013 में केदारनाथ त्रासदी से उपजी तबाही की तस्वीरें आज भी भारतीय जनमानस की स्मृतियों में ताजा हैं। पूर्वी हिमालय स्थित सिक्किम में भी चालीस हिमनद झीलों का पता चला है। चिंता की बात यह है कि इसमें से सोलह को अधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में आईआईटी मंडी के एक अध्ययन में लगातार विस्तार ले रही नौ ग्लेशियर झीलों की पहचान की गई थी। कमोबेश उत्तराखंड में भी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है जो जलवायु परिवर्तन के चलते तेजी से पिघलते ग्लेशियरों से उपजे संकट की ओर ध्यान खींचती हैं। आईआईटी के अध्ययन के जरिये तीन हजार पांच सौ मीटर से ज्यादा ऊंचाइयों पर दो हजार से अधिक झीलों का पता चला है। बताया जाता है कि ये झीलें तेजी से बन रही हैं और इनकी संख्या एक दशक पहले की तुलना में 710 अधिक हो गई है। इनका क्षेत्रफल भी लगातार बढ़ रहा है। यह वृद्धि 28 फीसदी बढ़ी बतायी जाती है, जिसके चलते कई रिहायशी इलाकों, शिक्षण संस्थाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं और अनेक पुलों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्लेशियर टूटने और चट्टानें खिसकने से ये झीलें कितना भयावह रूप ले सकती हैं, उसकी बानगी 26 अगस्त को नेपाल में हुई तबाही में नजर आई है। वहां आज भी हजारों लोग लापता हैं। चट्टानों, पानी, कीचड़ आदि का जो सैलाब घाटियों से गुजरा है, उसने बस्तियों और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। पनबिजली परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों की अभी भी तलाश जारी है।

> “ इसके लिये जरूरी है कि हिमालयी क्षेत्रों में ऊंचाई वाले संवेदनशील इलाकों में पर्यटन, सड़क और निर्माण कार्यों में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। निस्संदेह, जोखिम वाली घाटियों में जितना कम इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा, किसी प्राकृतिक आपदा में जनधन की हानि उतनी ही कम होगी। अब जबकि वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने बचाव के विकल्पों की रूपरेखा सौंप दी है, नीति-नियंताओं को प्राथमिकता के आधार पर इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा।

नेपाल हादसे ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है और बताया है कि ऊंचाई वाली जगहों में झील में बर्फ-चट्टानों के गिरने के बाद इन झीलों को रोकने वाले अवरोध टूटते हैं, जिससे नीचे वाले इलाकों में बेहद तीव्र गति से तबाही आ सकती है। दरअसल, लगातार गर्म होते हिमालय में ग्लेशियरों का पीछे हटना, झीलों का बढ़ना, भूस्खलन और अतिवृष्टि की घटनाएं आपस में मिलकर भयावह स्थिति पैदा करती हैं, जिसका मुकाबला सामान्य आपदा प्रबंधन के उपायों से नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, लाखों लोगों का जीवन सुरक्षित करने के लिए ग्लेशियर झीलों के फटने का इंतजार नहीं किया जा सकता। जमीनी स्तर पर निगरानी के साथ ही उपग्रहों के जरिये भी इन झीलों पर नजर रखने की सख्त जरूरत है। रियल-टाइम अर्ली वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की आवश्यकता है। इसके अलावा निकासी रास्तों को चिन्हित करने की जरूरत भी है। नीचे नदियों के किनारे बसी बस्तियों व मैदानी इलाकों में बचाव के तौर-तरीकों का नियमित अभ्यास किया जाना चाहिए। इसके साथ ही पुलों, पनबिजली परियोजनाओं और अन्य बुनियादी ढांचों की जांच करके उन्हें अधिक सुरक्षित बनाने की भी जरूरत है। साथ ही इन से जुड़े संभावित खतरों का समय रहते मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हिमालयी क्षेत्रों में विकास के नये मॉडल पर भी विचार करने की जरूरत है, जो हिमालयी क्षेत्रों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो। इसके लिये जरूरी है कि हिमालयी क्षेत्रों में ऊंचाई वाले संवेदनशील इलाकों में पर्यटन, सड़क और निर्माण कार्यों में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। निस्संदेह, जोखिम वाली घाटियों में जितना कम इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा, किसी प्राकृतिक आपदा में जनधन की हानि उतनी ही कम होगी। अब जबकि वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने बचाव के विकल्पों की रूपरेखा सौंप दी है, नीति-नियंताओं को प्राथमिकता के आधार पर इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। ध्यान रहे कि यह आसन्न खतरा किसी देश विशेष की सीमा तक सीमित नहीं है। अत: सटीक समयपूर्व चेतावनी देने के लिए विभिन्न देशों के साझे प्रयास जन-धन की हानि टालने वाले साबित हो सकते हैं। इसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति अपरिहार्य शर्त है।

ब्रिक्स ने कर दी ग्लोबल साउथ की मजबूत दावेदारी

भाषा सिंह

दिल्ली में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने बदलती विश्व व्यवस्था की नई तस्वीर पेश की। ग्लोबल साउथ की बढ़ती ताकत, अमेरिकी टैरिफ, युद्ध और डॉलर के वर्चस्व के खिलाफ साझा चिंता ने सम्मेलन को वैश्विक राजनीति के लिहाज से बेहद अहम बना दिया। भारत की अध्यक्षता में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ग्लोबल साउथ ने विश्व राजनीति में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। दुनिया के 40 फीसदी से अधिक सकल घरेलू उत्पाद के मजबूत आधार वाले ब्रिक्स के 11 देशों ने सम्मेलन में आर्थिक-सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों के साथ युद्ध, युद्ध जैसी स्थिति, टैरिफवॉर, प्रतिबंधों जैसी चुनौतियों पर बेहतर समझदारी विकसित की।

बुनियादी तौर पर सहमति बनी कि ब्रिक्स देशों को एक-दूसरे पर आने वाले संकटों में साथ देना चाहिए। दिल्ली में 12-13 सितंबर को हुए इस शिखर सम्मेलन में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल की। छह महीने अमेरिका से जंग लड़ने के बाद भी उनके हौसले बुलंद हैं और वह मजबूती से ट्रंप राज के खिलाफ ताल ठोंकते नजर आए। भारत ने बतौर मेजबान कई देशों के साथ द्विपक्षीय मुलाकातों का भी आयोजन किया, जिसमें ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मुलाकात बहुत अहम रही।

ब्रिक्स 2026 का घोषणापत्र मौजूदा दौर में अंतर्राष्ट्रीय स्थितियों के मद्देनजर युद्ध के खिलाफ है और कहता है कि संघर्ष व जंग से नहीं, बल्कि बातचीत—आपसी सलाह से मसले हल किए जाने चाहिए। आतंकवाद की भर्त्सना के साथ-साथ तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों से बचने का प्रस्ताव लिया गया। टैरिफ वॉर से दुनिया पिछले एक साल से जूझ रही है। ब्रिक्स के देश खासतौर पर अमेरिका के टैरिफवॉर के निशाने पर रहे हैं—चाहे चीन हो या भारत या फिर रूस और सभी के लिए इस टैरिफ के डंडे से बाहर निकलने का रास्ता खोजना प्राथमिकता थी। इस तरह 11-12-13 को ब्रिक्स के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर खूब चर्चा हुई। हालांकि घोषणापत्र में सीधे-सीधे अमेरिका का नाम नहीं है, लेकिन उसकी नीतियों के खिलाफ कई स्टेटमेंट हैं। मिसाल के तौर पर ईरान, रूस और चीन ने ब्रिक्स देशों के भीतर व्यापार कैसे स्थानीय मुद्रा में किया जा सकता है, इस पर सघन चर्चा की है। घोषणापत्र के निशाने पर इस्राइल है और खुलकर गाजा में हो रही हिंसा-बर्बरता के खिलाफ बोला गया है—जो अपने आप में ऐतिहासिक है। घोषणापत्र में कहा गया है कि ब्रिक्स के देश तमाम पक्षों से यह आग्रह करते हैं कि वे गाजा में युद्धविराम का सम्मान करें। ब्रिक्स फलस्तीनियों को जबरन बाहर धकेलने के खिलाफ है और दो राष्ट्रों के निर्माण की अवधारणा के समर्थन में है। इस तरह से ब्रिक्स के तमाम देशों का फलस्तीन के पक्ष में आना और इस्राइल के खिलाफ बोलना एक मायने में अमेरिका के स्टैंड के खिलाफ बोलना है। सारी दुनिया जानती है कि इस्राइल के फलस्तीन में हमले के पीछे अमेरिका है। ब्रिक्स 2026 का घोषणापत्र इस लिहाज से ट्रंप के खिलाफ है, क्योंकि इसके निशाने पर इस्राइल है और ईरान पर मंडरा रहे अमेरिकी युद्ध की लालसा है।

अमेरिका का नाम लिए बिना पश्चिमी एशिया में चल रहे तनाव का जिक्र है और पश्चिमी एशिया में लगातार बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई गई है और कहा गया है कि ऐसे मामलों में तनाव कम करने के कदम उठाने चाहिए। अमेरिका के टैरिफ यानी तटकर के डंडे से ब्रिक्स के सभी देश परेशान नजर आए। चीन, रूस, ईरान, ब्राजील समेत इंडोनेशिया ने भी एकतरफा-मनमाने, तंग करने की नीयत से लगाए जाने वाले टैरिफ का विरोध किया। भारत ने भी कहा कि इससे विश्व व्यापार प्रभावित होता है और सप्लाई चेन बाधित होती है। ब्रिक्स के 18वें सम्मेलन ने विश्व व्यापार संगठन के बहुपक्षीय व्यापार सिस्टम का समर्थन किया। इसमें तमाम देशों की साझेदारी संभव है। ये तमाम बातें निश्चित तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति को अखरेंगी, क्योंकि हर मोर्चे पर उनके एजेंडे को चुनौती दी जा रही है। दुनिया को यूनिपोलर यानी एकध्रुवीय बनाने के ट्रंप के सपने को इस सम्मेलन में कड़ी चुनौती मिली है।

इसमें बड़ा गेम चेंजर साबित हुआ ईरान और उसका कूटनीतिक दांव। जिस तरह से ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन में अपने एजेंडे को आगे रखा और अमेरिका के खिलाफ चल रहे अपने छह महीने के संघर्ष को खुलकर रखा और यह ऐलान किया कि ईरान को गुलाम बनाना असंभव है। उनकी बातों ने माहौल बना दिया। अमेरिका ने जैसे ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया, उसके सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर को ध्वस्त किया—उसे भी राष्ट्रपति मसूद ने एक मुद्दा बनाया और कहा कि दरअसल ब्रिक्स के देशों को इनके खिलाफ बोलना चाहिए, क्योंकि ये अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा के लिए खतरा है। मसूद ने साथ में फलस्तीनियों के आत्मनिर्णय के अधिकार के समर्थन में अहम बिंदु रखा कि इसके पक्ष में बात करके ही दरअसल ग्लोबल गवर्नेंस की साख की परीक्षा हो सकती है।

उधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोप व अमेरिका के खिलाफ जमकर बैटिंग की। पुतिन ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि रूस सबका दोस्त है और वे यूरोप को सस्ते में तेल बेच रहे थे—150 डॉलर प्रति 1,000 क्यूबिक मीटर और अब वे 1,000 डॉलर दे रहे हैं, जो आने वाले दिनों में 1,500 डॉलर हो सकता है। पुतिन ने विकसित देशों के समूह जी-7 की आलोचना करते हुए कहा कि भविष्य ब्रिक्स का है, जीडीपी, आबादी और बाजार के लिहाज से।

अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता करने वाले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्पष्ट रेखा खींचने का काम किया और कहा कि युद्ध बेकार की चीज है, इससे आम नागरिक का भला नहीं होता। हमें युद्ध के नहीं, शांति, सहयोग, वार्ता और व्यापार को बढ़ाने पर ध्यान रखना होगा। ब्रिक्स को इतिहास के सही पक्ष में खड़ा होना है और सारे देश इसके लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संतुलित रुख अख्तियार करने की कोशिश की गई। दरअसल, ब्रिक्स सम्मेलन के जरिए ग्लोबल साउथ देशों की वर्ल्ड ऑर्डर में हिस्सेदारी तय करने का काम किया गया। ये एक बेहद जरूरी हस्तक्षेप है। इस साल ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन की थीम थी— 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण', जो युद्ध और बढ़ते तनाव के माहौल में अपने आप में चुनौतीपूर्ण था।

ब्रिक्स के देश 370 करोड़ लोगों की आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनकी मांग को अनसुना करना इस समय संभव नहीं है। ब्रिक्स यानी ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका का एक ऐसा अंतर-सरकारी मंच है, जिसमें लगातार विस्तार हो रहा है। जनवरी, 2024 में इसमें इजिप्ट, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को शामिल किया गया। फिर जनवरी, 2025 में इसमें इंडोनेशिया भी शामिल हुआ। इस तरह से ब्रिक्स दुनिया के 11 अहम उभरते बाजारों व विकासशील देशों को एकसाथ ला रहा है।

दिल्ली में हुए इस 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में उसके घोषणापत्र में विकास की बहुरंगी छाप की आस दिखी है, बाजार और तकनीक में समन्वय की गुंजाइश दिखती है। सबसे अहम डी-डॉलराइजेशन यानी डॉलर के प्रभुत्व से मुक्त होने का एक तगड़ा अंडरकरंट नजर आता है, जिससे अमेरिका का परेशान होना बहुत स्वाभाविक है।

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय मामलों की जानकार हैं।

देसी राज की शिक्षा ने मतिहीन नेता बनाए

शंकर शरण

हिन्दू ग्रंथों की निन्दा करने वाले उसे शायद ही पढ़ते हैं। मनुस्मृति के राज्य-शासन संबंधी तीनों अध्याय गंभीर ज्ञान-भंडार हैं। अधिकांश आज भी मूल्यवान। तब सोचें, तीन हजार वर्ष पहले इतना गहन चिंतन विश्व में कहाँ था! तब यहाँ ऐसे शास्त्र रचे गए, जिन की बातें आज भी चमत्कृत करती है। ज निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में 'शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।' वस्तुत: मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है।.. स्वामी दयानन्द सरस्वती ने मनुस्मृति को अपने समाज-सुधार का आधार बनाया था। यदि मनुस्मृति जातिवादी या स्त्री-विरोधी होती, तो वे संपूर्ण भारत में इतना बड़ा आधुनिक, व्यापक प्रभावशाली सुधार आंदोलन चलाने में कैसे सफल हुए होते?

प्राय: लगता है, कि अंग्रेजों ने इस देश को अधिक सहानुभूति से समझा था। लोगों की ही नहीं, अपितु यहाँ के ज्ञान, इतिहास, विरासत, धर्म और संस्कृति के प्रति भी सच्ची देख-भाल की प्रवृत्ति उन में थी। यह बात एकबारगी विचित्र लगे, किंतु ठोस पैमानों पर — सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यवहारिक — परखने से सोचने पर विवश होना पड़ेगा।

शिक्षा का उदाहरण लें। अंग्रेजों ने यहाँ अपने बनाए स्कूलों, कॉलेजों में यूरोप के सर्वश्रेष्ठ ज्ञान से भारतीय बच्चों, युवाओं को शिक्षित किया। साहित्य और दर्शन में महान भारतीय रचनाओं को भी वही स्थान दिया। यह पुराने पुस्तकालयों में रखी उस जमाने की पाठ्य सामग्रियों तथा उस युगीन हमारे विद्वानों के लेखन के माध्यम से भी जाना जा सकता है।

पर देशी राज की शिक्षा ने क्या किया? इस ने जल्द ही शिक्षा का राजनीतिकरण, मतवादीकरण कर दिया!

पूरे ब्रिटिश राज में शायद ही स्कूलों में कभी ब्रिटिश सम्राटों या वायसरायों की विरुदावली रटाने, फैलाने का काम हुआ। देशी राज में अपने चालू नेताओं को दैवी, ज्ञानी, चिंतक, विश्वनेता, आदि बताना नीचे से ऊपर सभी कक्षाओं में एक सामान्य तत्व बन गया। यह प्रवृत्ति शिक्षा के विरुद्ध कुशिक्षा को प्रश्रय देना था। अनजाने होने से उस की हानि कम नहीं हुई! बल्कि फिर उस का प्रतिफलन, विस्तार, आदि अन्य क्षेत्रों में भी होना ही था।

जैसे, शिक्षा में सच्चे सिद्धांत पढ़ने के बजाए वैसे मतवादों, विचार पढ़ाना जो उन नेताओं को पसंद थे। या जो उन की अपनी झक थी। तदनुसार, विद्वानों के बदले उन भक्तों और रट्टू तोतों को आचार्य, अध्यापक, संचालक बनाना जो उन मतवादों का प्रचार करें। इसी तरह, फिर शोध के नाम पर उन्हीं बातो, आग्रहों, दुराग्रहों की पुष्टि कराने वाले विचार को शोध-विषय बनाकर शुद्ध प्रोपेगंडा को शोध, ज्ञान, शिक्षा, और उच्च-शिक्षा का नाम दे देना।

उक्त सभी प्रवृत्तियों को आज विकराल व दयनीय रूप में चारो तरफ देख सकते हैं। बीमारी इतनी व्यापक हो चुकी, कि बीमारी नहीं लगती! मानो जहाँ सभी अंधे हों, वहाँ अंधकार और प्रकाश में नामालूम अंतर रहता है। सो, सचमुच ज्ञान की बातें, ज्ञान पुस्तकें, और सच्चे शिक्षक आज के शैक्षिक बौद्धिक वातावरण में नक्कू हैं। उन के लिए कहीं स्थान नहीं। यह भी सरसरी अवलोकन से देखा जा सकता है।

वर्तमान मुहावरे में कहें, तो 'जेनरल कैटेगरी' के प्रतिभाशाली विद्यार्थी या अध्यापक विदेशों में जगह ढूँढने के लिए अभिशप्त हैं। देश में उन के लिए कोई चिन्ता करने वाला नहीं! इस प्रकार, देसी राज को ज्ञान, प्रतिभा, योग्यता, कुशलता तथा इस से होने वाले लाभ, और इन की अनुपस्थिति में होने वाली हानि — दोनों में से किसी का बोध तक नही है!

तुलना कीजिए, ब्रिटिश राज की तमाम छात्रवृत्तियों, सम्मानों, प्रोत्साहनों, और पदवियों से। कहीं भी उस में लेशमात्र भी मिलावट, प्रोपेगंडा, भेद-भाव, मिथ्याचार, या दिखावे का संकेत नहीं मिलेगा! इस का प्रत्यक्ष प्रमाण यह भी है कि किसी कट्टर से कट्टर राष्ट्रवादी भारतीय ने अंग्रेज शासकों, प्रशासकों, अधिकारियों पर सामान्य पक्षपात या भ्रष्टाचार का आरोप कभी नहीं लगाया। उन का नियमित कामकाज इतनी पारदर्शिता और गुणवत्ता से चलता था।

अत: क्या आश्चर्य कि आज देश के सर्वोच्च नेतागण भी भारतीय ज्ञान-ग्रंथों के बारे में शून्य जानकारी रखते हैं। यदि कोई संस्था सर्वेक्षण करे (जो 'प्यू रीसर्च' जैसी कोई विदेशी ही हो सकती है, देश में अब ऐसी कोई संस्था ही नहीं बची! जो यह करती हो) तो हमारे तमाम मंत्रियों, सासंदों में भारतीय ज्ञान ग्रंथों के पाँच नाम भी बता सकने वाले बिरले ही मिलेंगे। वही देश की शिक्षा, संस्कृति, और विज्ञान, सब के कर्णधार हैं! कहने की जरूरत नहीं कि आम अन्धत्व की स्थिति में इस हाल का मतलब समझने वाले भी बहुत कम हैं। और जो हैं वे असहाय दर्शक भर।

अब इस नये प्रसंग को देखें, जो 'मनुस्मृति' को फिर दो लात लगाने से जुड़ी है। एक महान ज्ञान-ग्रंथ — जिस ने ब्रिटिश राज के दौर में स्वामी दयानन्द और स्वामी विवेकानन्द जैसे महापुरुषों को प्रेरित किया, जिन्होंने देश-विदेश में अनगिनत लोगों को अपनी सीख से लाभान्वित किया। उस ग्रंथ का स्थान देसी राज में यह है कि हर नेता उसे गाली देकर, या जला कर अपने को देश का कर्णधार समझता है! किसी को उसे पढ़ने की जरूरत नहीं। बस, गाली देना पर्याप्त है। जिस से वह प्रगतिशील, बहुजन-हितैषी, समाज सेवक, आदि कहलाने का हकदार हो जाता है।

यह है देसी राज की शिक्षा का नतीजा, जिस में पैदा हुए और पले-बढ़े लोग ही आज देश भर में सत्तासीन हैं। वे न केवल यह दृश्य सहज रूप से देखते हैं, अपितु इसी को प्रोत्साहन देते हैं। मामूली खोजबीन से ऐसे उच्च पदस्थ लोग मिल जाएंगे जो मनुस्मृति को जलाकर, या उसे अपशब्द कह कर ऊपर स्थापित हुए। साथ ही, ऐसे लोग भी मिल जाएंगे जो जटिल विषयों के अच्छे ज्ञाता हैं, इसीलिए कहीं भूखे, बेघर उपेक्षित पड़े हैं। जो किन्ही मित्रों के अनुदान और सहयोग से जीवन चला रहे हैं। क्योंकि वे उस 'केटेगरी' के हैं जिन की जरूरत देसी राज को नहीं है।

सो, देसी राज में महान पुस्तकें शिक्षा से क्रमश: बाहर होती गईं। उन्हें तुच्छ या अप्रासंगिक मान लिया गया। बिना पढ़े। मनुस्मृति की नियमित भर्त्सना इसी का उदाहरण है। जबकि यदि शीर्षक हटाकर इसे किन्हीं भी दस समझदार लोगों को पढ़ने को दें, और फिर मंतव्य लें, तो सभी उसे महान ग्रंथ मानेंगे। अत: निंदक लोग केवल सुनी-सुनाई पर चलते हैं कि उस में 'शूद्रों या स्त्रियों के बारे में कुछ आपत्तिजनक है।'

वस्तुत: मनुस्मृति में वैसा भी कुछ नहीं है। यदि होता, तब भी आज के नजरिए से किसी पुरानी पुस्तक में कोई नापसंद बात मिलने पर भी उसे अपमानित करना मूर्खता है। इसीलिए 'ओल्ड टेस्टामेंट' या 'कुरान' जैसे प्राचीन ग्रंथों को सम्मान दिया जाता ह। जबकि उस में पगान, आइडोलेटर, काफिर, यानी दूसरे धर्म-विश्वासियों के लिए अत्यंत अपमानजनक बातें लिखी हुई हैं।

राजीव से राहुल तक का सफर भी कम गौरतलब नहीं

हरिशंकर व्यास

ढेरों प्रमाण हैं। तारीखों और घटनाओं का वह अंतहीन सिलसिला है जिससे मेरा निष्कर्ष है कि भारत के कम्युनिस्टों ने न केवल देश का समय बिगाड़ा। खुद के अवसर भी गंवाए। लेफ्ट के खाते में राजनीतिक बरबादियां लगातार दर्ज कराईं। बावजूद इसके मेरे मन में कम्युनिस्ट नेताओं के चाल, चेहरे और चरित्र की कसौटी में सम्मान है। खासकर आज सत्ता में संघ-भाजपाइयों के चाल, चेहरे और चरित्र को देखते हुए तो और भी अधिक। उस नाते ई. एम. एस. नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, इंद्रजीत गुप्त से माणिक सरकार, पिनराई विजयन और वाम संगठनों के प्रकाश करात, सीताराम येचुरी, दीपांकर भट्टाचार्य तक—इन लोगों की निजी सादगी, सहजता और वैचारिक प्रतिबद्धता का जितना सम्मान किया जाए, कम है। कांग्रेस (राहुल) की दीमक है लेफ्ट-2 मगर व्यक्ति की ईमानदारी से विचार और उसके परिणाम सही साबित नहीं होते।

भारतीय कम्युनिस्टों का विरोधाभास यही है। निजी जीवन में जितने सादे और प्रतिबद्ध, भारत को पढ़ने में उतनी ही बार गड़बड़। स्वतंत्रता के बाद कम्युनिस्टों ने आजादी को अधूरा माना। कांग्रेस को बुर्जुआ सत्ता कहा। नेहरू को कभी वर्ग-शत्रु की राजनीति में पढ़ा और कभी उन्हीं के आसपास घेरेबंदी से उन पर वैचारिक प्रभाव बनाया। नेहरू के आखिरी सालों में कृष्ण मेनन और चीन से भारत की हार का ठीकरा भी फूटा। चीन के सवाल पर ही कम्युनिस्ट विभाजित हुए। दो पार्टियां बनीं। इंदिरा गांधी के दौर में सीपीआई उनके साथ थी। उसका आपातकाल को समर्थन रहा। फिर जनता पार्टी, वी. पी. सिंह, संयुक्त मोर्चा और यूपीए—दिल्ली में सत्ता के गठजोड़ बने तब भी वामपंथी चेहरों, पार्टियों का सरकारों, राष्ट्रीय नैरेटिव और मीडिया में हल्ला रहा।

लेकिन एक बात, एक वास्तविकता हमेशा कायम रही। केंद्र सरकार की सत्ता के आसपास विचार, बौद्धिकता और विमर्श की दुनिया में वाम की हैसियत उसकी असल जन हैसियत, पाए गए लेफ्ट वोटों से अक्सर कई गुना बड़ी रही।

सोचें, कृष्ण मेनन के प्रभाव और 1962 के अनुभव यानी लेफ्ट से नेहरू ने क्या पाया? कांग्रेस के 1969 के विभाजन के बाद वाम समर्थन और वाम-प्रगतिशील बौद्धिक प्रभाव की ओर बढ़ीं इंदिरा गांधी अंतत: कहां पहुंचीं? बैंक राष्ट्रीयकरण, प्रिवी पर्स, गरीबी हटाओ, सरकारी उद्योगों-उद्यमों, लाइसेंस-कोटा से कांग्रेस और भारत ने क्या पाया?

लगातार फैलते सरकारी दायरे में उलटे कांग्रेस अपनी पुरानी मध्यमार्गी अर्थनीति से लेफ्ट की ओर खिसकती गई। तात्कालिक फायदे की राजनीति में भले इंदिरा को गरीबों की मसीहा की इमेज मिली। कांग्रेस का नया सामाजिक आधार बना। मगर उसी के साथ सरकार अर्थव्यवस्था और नागरिक जीवन की सर्वशक्तिमान माई-बाप बनती गई।

ऐसे ही इंदिरा गांधी के समय विश्वविद्यालयों, इतिहास, संस्कृति, अकादमिक संस्थानों, मीडिया और दिल्ली के नीति-विमर्श में लेफ्ट का नया प्रगतिशील प्रतिष्ठान बना। सही है, उसमें बैठे सभी लोग कम्युनिस्ट नहीं थे। लेकिन आधुनिक, वैज्ञानिक और प्रगतिशील कहलाने की खास भाषा जरूर सभी चेहरों-मठाधीशों—शिक्षा मंत्री, उपकुलपतियों, कला-साहित्य-संस्कृति आदि क्षेत्रों में—की थी।

उस भाषा, उस सोच में धर्म को सार्वजनिक जीवन में लेकर चलने वाला हिंदू आसानी से रूढ़िवादी करार दिया जाता। जबकि धार्मिक अल्पसंख्यक की सामुदायिक पहचान की रक्षा सेकुलर राज्य का दायित्व। जाति पर बात करना प्रगतिशीलता, वहीं सनातनी धर्म और सभ्यता पर बात करते हुए सफाई देती हुई झिझक।

इसलिए 'लेफ्ट' का अर्थ, उसके जुगालीबाजों का दायरा बहुत विस्तृत रहा है। बात केवल सीपीआई, सीपीएम या सीपीआई-एमएल का पार्टी कार्ड रखने वालों की ही नहीं है। समाजवादी कम्युनिस्ट नहीं थे। लोहियावादी और मार्क्सवादी एक नहीं थे। आंबेडकरवादी भी कम्युनिस्ट नहीं। एनजीओ एक्टिविस्ट और अधिकारवादी नागरिक समाज को भी कम्युनिस्ट कहना गलत होगा। इन सबके आपसी झगड़े और वैचारिक फर्क गहरे हैं।

लेकिन समय के साथ लुटियंस दिल्ली में इन धाराओं के मेल से एक व्यापक वाम-प्रगतिशील सत्ता-बौद्धिक मानस की दबंगी बनी। समाज को वर्ग, जाति, लिंग, अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक और उत्पीड़क-उत्पीड़ित के खांचों से देखने की प्रवृत्ति पूरे देश में पसरती गई। यही मेरे 'लेफ्ट' के आशय का व्यापक वैचारिक खमीर है।

मगर कमाल या त्रासदी देखिए। लेफ्ट का रौब, हल्ला जैसे-जैसे बढ़ा, वैसे-वैसे कम्युनिस्टों, वामपंथियों, समाजवादियों की चुनावी और वैचारिक हैसियत जीरो होती गई। वोट में सिकुड़ते गए, लेकिन उनकी बनाई भाषा, जुमलों के फतवे बढ़ते गए। एक वक्त था जब संसद में दर्जनों सांसद थे। संसद में कांग्रेस के बाद सीपीआई नंबर दो की पार्टी! बंगाल, केरल, त्रिपुरा में सरकारें। ट्रेड यूनियनों में दबदबा। विश्वविद्यालयों में प्रभाव। संगठित कम्युनिस्ट आंदोलन कभी राष्ट्रीय राजनीति की बड़ी शक्ति था। पश्चिम बंगाल में चौंतीस साल सरकार थी। पर आज वहां नामलेवा नहीं है। ऐसी ही त्रिपुरा की दशा हुई। लोकसभा में सीटें और वोट सिकुड़ते गए। आज राजनीति में वाम हाशिये से भी बाहर है! मगर उससे निकली व्यापक प्रगतिशील शब्दावली, विमर्श के शब्द गैर-भाजपाई राजनीति की मुख्य धारा हुए। जैसे सामाजिक न्याय, हिस्सेदारी, प्रतिनिधित्व, अल्पसंख्यक अधिकार, बहुसंख्यकवाद, पितृसत्ता, उत्पीड़क-उत्पीड़ित। यानी वोट में हार, शब्दों की जुगाली से राष्ट्रीय मीडिया की पहचान!

मेरा मानना है कि सीपीआईएम, कम्युनिस्टों की सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता पश्चिम बंगाल पर चौंतीस साल राज या केरल में सरकारें बनाने की नहीं है। उससे बड़ी सफलता अपने वोट से कई गुना बड़ा दिल्ली में वैचारिक प्रभाव पैदा करना था। विश्वविद्यालय से मीडिया तक। संस्कृति से इतिहास तक। सरकार की सलाहकारी दुनिया से कांग्रेस की राजनीतिक भाषा तक।

प्राकृतिक के इशारों को समझें

नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा। ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच-पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को महज प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टत: यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदियां अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं। बल्कि ये इनसान की अ-दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं। 26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास लांगटांग लिरुंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200 मीटर नीचे स्थित घाटी में गिरा। उसके प्रभाव से तीव्र घर्षण पैदा हुआ और अत्यधिक बर्फ पिघलकर गारे और चट्टानों के साथ बह निकली। यह घटना बताती है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हर पल मॉनिटरिंग और उपग्रह आधारित निगरानी की कितनी कमी है। समय पर हिमनद झील के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी कर दी जाती, तो जान-माल के नुकसान को सीमित किया जा सकता था। यह भी गौरतलब है कि हिमालय जैसे पारिस्थिकीय नजरिए से नाजुक क्षेत्र में बिना ठोस पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए पनबिजली परियोजनाओं, सड़कों, और सुरंगों का अंधाधुंध निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का जोखिम कई गुना बढ़ा है। उधर बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हिमनद तेजी से पिघलकर खतरनाक झीलों का रूप ले रहे हैं। कुल मिलाकर इस त्रासदी का संदेश है कि प्रकृति के तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

छत्तीसगढ़ में फर्जी पेस्ट कंट्रोल कंपनियों का जाल, पीएमए ने किया सावधान

भिलाई। छत्तीसगढ़ में घर, दुकान और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को दीमक, कॉकरोच, खटमल, चींटी और चूहों से मुक्ति दिलाने के नाम पर फर्जी पेस्ट कंट्रोल कंपनियों का जाल तेजी से फैल रहा है। पेस्ट मैनेजमेंट एसोसिएशन-पुणे के छत्तीसगढ़ रीजन हेड मजहर नदीम ने इस गंभीर समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए आम जनता को सतर्क रहने की अपील की है। मजहर नदीम ने बताया कि प्रदेश में कई फर्जी कंपनियां बिना किसी वैध लाइसेंस के अवैध रूप से पेस्ट कंट्रोल का कारोबार चला रही हैं, जबकि कृषि विभाग से स्वीकृत और रजिस्टर्ड कंपनियों की संख्या बेहद सीमित है। इंटरनेट पर सर्च करते ही सबसे पहले इन्हीं फर्जी कंपनियों के लुभावने विज्ञापन और प्रोफाइल सामने आते हैं। ग्राहक इनके झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। मजहर नदीम ने बताया कि ये ठग कंपनियां ग्राहकों को 5 से 10 साल की सर्विस गारंटी का झांसा देकर 12,000 से 22,000 रुपये या उससे भी अधिक वसूल लेती हैं। काम कराने के कुछ ही महीनों बाद जब कीट-पतंगे दोबारा पनपने लगते हैं, तो संपर्क करने पर दिए गए मोबाइल नंबर बंद मिलते हैं। जब पीड़ित दिए गए पते पर पहुंचते हैं, तो वहां किसी फर्म का अस्तित्व ही नहीं होता। ऑनलाइन संचालन, फर्जी पते और बार-बार बदले जाने वाले सिम कार्ड के कारण ऐसी ठग कंपनियों पर सीधी कानूनी कार्रवाई करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

सहकारी समितियों में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा सेवा संकल्प अभियान

दुर्ग। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के बैंक मुख्यालय स्थित सभा भवन में 14 सितंबर 2026 को सहकारी जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को ''सहकारिता के दीप'' प्रज्वलित कर की जाएगी। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के कार्यक्षेत्र अंतर्गत संचालित प्रत्येक सहकारी समिति के कार्यालय में शाम 7 बजे 101 दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम संबंधित समिति के प्राधिकृत अधिकारियों के नेतृत्व में आयोजित होगा। इस अवसर पर समिति के कार्यक्षेत्र में आने वाले कृषक सदस्यों को सादर आमंत्रित कर उनका तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। बैठक में सेवा संकल्प अभियान को सहकारिता क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों, किसानों एवं समिति सदस्यों की सहभागिता के साथ प्रभावी रूप से आयोजित करने पर जोर दिया गया।

रामेश्वरम धाम पद्मनाभपुर में विराजे गणपति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी गणेश चतुर्थी पर्व की शुरुआत हो गई है। इसी कड़ी में दुर्ग के पद्मनाभपुर मिनी स्टेडियम में रामेश्वरम धाम गणेशोत्सव समिति द्वारा भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा की विधि-विधान से स्थापना की गई।

दक्षिण भारत एवं उज्जैन से पहुंचे पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गणपति बप्पा का पूजन-अर्चन कर प्रतिमा की स्थापना कराई।

गणपति बप्पा के प्रथम दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता भगवान श्रीगणेश के दरबार में भक्त आस्था और श्रद्धा के साथ पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। गणेशोत्सव को लेकर क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

समिति के सदस्य राजेश शर्मा ने बताया कि इस वर्ष गणेशोत्सव के दौरान विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। भगवान गणेश का 21 नदियों सहित रामेश्वर धाम से लाए गए पवित्र जल से अभिषेक किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिदिन श्रद्धालुओं को 1008 रुद्राक्ष एवं महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा और धार्मिक अनुष्ठानों को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

पोथी यात्रा के साथ देवी माहात्म्य कथा का आरंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। गंजपारा स्थित भगवान श्रीकृष्ण द्वारकाधीश जी के अवतार बाबा रामदेव जी के जन्मोत्सव 12 सितम्बर से 22 सितम्बर 2026 तक बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिसमें हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कथा एवं विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जा रहे है. बाबा रामदेव मंदिर समिति के अध्यक्ष पंकज राठी ने बताया कि धर्म की नगरी के नाम से जाने जाने वाले दुर्ग शहर में हर पर्व एवं हर उत्सव सभी धार्मिक आयोजन बड़े धूमधाम से मनाया जाता है।

इसी कढ़ी में गंजपारा में स्थित बाबा रामदेव मंदिर में पूरे 10 दिवस विभिन्न धार्मिक आयोजन किया गया है, कार्यक्रम में13 सितम्बर से 19 सितम्बर तक प्रसिद्ध कथा वाचक गोवत्स पंडित राजीव कृष्ण महाराज, पुलिया, महाराष्ट्र के श्रीमुख से श्री देवी महात्मय कथा का आयोजन किया जा रहा है।

श्री देवी महात्मय कथा प्रारंभ होने एवं बाबा रामदेव जी का जन्मोत्सव के कार्यक्रम प्रारंभ होने के पूर्व रविवार को शाम 6 बजे श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर, गंजपारा, दुर्ग से देवी भगवत की पोथी यात्रा एवं शोभायात्रा निकाली गई।

पोथी शोभायात्रा में सर्वप्रथम श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर समिति के सदस्यों ने कथा करने आए गोवत्स पंडित राजीव कृष्ण महाराज, पुलिया, महाराष्ट्र का मंदिर परिसर में स्वागत किया गया तत्पश्चात कथा वाचक राजीव कृष्ण जी ने माता दुर्गा जी एवं देवी भागवत की पोथी की पूजा अर्चना की कथा के आरंभ से पहले, मंगलमय वातावरण में सिर पर पवित्र ग्रंथ (पोथी) पूजन किया।

पूजन एवं स्वागत पश्चात दुर्गा मंदिर से पोथी यात्रा बाजे गाजे के साथ संकीर्तन करते हुए भक्तगण गंजपारा के मुख्य मार्ग से बाबा रामदेव मंदिर पहुंची जहां आयोजकों द्वारा स्वागत किया गया सभी उपस्थित धर्मप्रेमियों को प्रसाद स्वरूप स्वल्पाहार वितरण किया गया।

शोभायात्रा के पश्चात देवी भागवत के प्रथम दिवस प्रसिद्ध कथा वाचक गोवत्स पंडित राजीव कृष्ण महाराज ने देवी महात्म्य व प्रथम स्कंध का वर्णन एवं व्यास पीठ का पूजन और वंदना की गई।

कथा वाचक राजीव जी महाराज ने बताया कि प्रथम स्कंध का सार: सूत जी और शौनक आदि ऋषियों के संवाद के साथ कथा की शुरुआत होती है, जिसमें भगवती महाशक्ति या श्री कृष्ण के गुणों, नाम की महिमा और पुराणों के महत्व को समझाया जाता है। व्यास पीठ से राजीव महाराज ने बताया कि श्रीमद् देवीभागवत महापुराण सभी पुराणों में अत्यंत पावन और उत्तम है, जिसमें माँ जगदंबा की महिमा का सभी वर्णन किया गया है देवी भागवत का सार एक मंत्र में पूरा है जिसका अर्थ सहित कथा वाचक राजीव कृष्ण ने बताया।

? सर्वचैतन्यरूपां तामाद्यां विद्यां च धीमहि।
बुद्धिं या नः प्रचोदयात् ॥ ॥

जो भगवती जगदम्बिका समस्त चैतन्य (चेतना) की स्वरूपा, आदि (अन्तहीन) और ब्रह्मविद्या स्वरूपा हैं, हम उनका ध्यान करते हैं। वे माता भगवती हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर प्रेरित करें (उसे तीव्र और पवित्र बनाएँ)।

शोभायात्रा एवं प्रथम दिवस के आयोजन में विशेष रूप से पंकज राठी अध्यक्ष बाबा रामदेव मंदिर समीति कथा के मुख्य यजमान पंकज पुरुषोतम गांधी विट्टल दास भूतडा ओमप्रकाश टावरी छगन चांडक अशोक राठी अध्यक्ष माहेश्वरी समाज सुरेन्द्र राठी मनोज टावरी महेन्द्र गांधी मनोज भूतडा गोपाल राठी प्रवीण भूतड़ा गोलू राठी दिनेश टावरी आलोक चांडक नंदू चांडक रामावतार राठी अजय शर्मा सुरेश गुप्ता राजेश शर्मा मनोज गुप्ता ललित शर्मा दिनेश शर्मा राहुल शर्मा सुजल शर्मा मनीष सेन सोनल सेन शरद भूतड़ा एवं सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे।

भिलाई टाउनशिप के आवासों में मवेशी पालन पर रोक, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। टाउनशिप के आवासों एवं आवासीय परिसरों में मवेशी पालन की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद टाउनशिप के विभिन्न आवासों में मवेशी पालन किए जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। मवेशियों के कारण आसपास के क्षेत्रों में गंदगी एवं दुर्गंध फैलने के साथ-साथ आवागमन में भी परेशानी होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के अनुसार, टाउनशिप में पाले जा रहे मवेशी अधिकांश समय खुले में घूमते रहते हैं। इनके सड़कों पर घूमने, दौड़ने अथवा आपस में लड़ने के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है और ऐसी घटनाओं के कारण लोगों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। नगर सेवाएँ विभाग ने टाउनशिप के ऐसे आवासधारियों से अपील की है कि वे अपने आवासों अथवा आवासीय परिसरों में मवेशी पालन की गतिविधियों को तत्काल बंद करें। टाउनशिप क्षेत्र में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सड़क सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवासधारियों से निर्धारित नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी मवेशी के कारण टाउनशिप क्षेत्र में किसी भी प्रकार की दुर्घटना घटित होती है अथवा मवेशियों से उत्पन्न गंदगी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न होती है, तो संबंधित चिन्हित मवेशी पालक आवासधारी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

पावर हाउस भिलाई में मापतौल सत्यापन शिविर शुरू

1500 व्यापारियों को नोटिस, सत्यापन नहीं कराने पर होगी सख्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विधिक माप विज्ञान (मापतौल) विभाग द्वारा व्यापारियों के मापतौल उपकरणों के वार्षिक सत्यापन के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पावर हाउस, भिलाई में आयोजित यह सत्यापन शिविर 15 से 18 सितंबर तक चलेगा।

शिविर में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों सहित अन्य मापतौल उपकरणों की जांच कर उनका विधिवत सत्यापन किया जाएगा। विभाग द्वारा क्षेत्र के लगभग 1500 व्यापारियों को नोटिस जारी कर शिविर में अपने मापतौल उपकरणों का सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए हैं। विधिक माप विज्ञान अधिकारी के.पी. चौरे ने बताया कि शिविर समाप्त होने के बाद व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच की जाएगी। जिन व्यापारियों द्वारा अपने मापतौल उपकरणों की जांच एवं सत्यापन नहीं कराया जाएगा, उनके विरुद्ध नियमानुसार

सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विभाग ने व्यापारियों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के दौरान शिविर में पहुंचकर अपने मापतौल उपकरणों का सत्यापन अवश्य करा लें, ताकि भविष्य में कार्रवाई से बचा जा सके।

वार्ड 57 एवं 58 में पहुंचे मंत्री गजेन्द्र, जनता से किया संवाद

गलियों में पहुंचकर सुनीं समस्याएं, सड़क-बिजली से जुड़े कार्यों के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने दुर्ग-उरला क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 57 एवं 58 में पहुंचकर वार्डवासियों से सीधा संवाद किये। उन्होंने क्षेत्र की गलियों एवं प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए नागरिकों से उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने सड़क, बिजली, पानी, नाली एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी अपनी मांगें एवं समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने नागरिकों की बातों को गंभीरता से सुने और संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही चर्चा की और आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता से सीधा संवाद ही क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को समझने का सबसे बेहतर माध्यम है। नागरिकों द्वारा बताई जा रही समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाएगा और विकास कार्यों को धरातल

पर गति दी जाएगी।

इस दौरान वार्डवासियों के आग्रह पर मंत्री श्री यादव ने वार्ड की भीतरी गलियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उन स्थानों का जायजा लिया जहां बिजली की सुविधा के लिए अतिरिक्त पोल की आवश्यकता है। संबंधित अधिकारियों को आवश्यकतानुसार बिजली पोल का विस्तार करने के निर्देश दिए, ताकि भीतरी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को बेहतर विद्युत सुविधा मिल सके।

इस दौरान नागरिकों ने क्षेत्र की सड़क व्यवस्था को लेकर भी अपनी परेशानी बताई। मंत्री श्री यादव ने चंडी चौक से उरला तक सड़क मजबूतीकरण कार्य की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि उक्त सड़क के मजबूतीकरण कार्य की स्वीकृति हो चुकी है। बारिश के कारण सड़क के खराब होने से वाहन चालकों एवं क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानी हो रही है। उन्होंने अधिकारियों को स्वीकृत सड़क मजबूतीकरण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रवासियों को आवागमन में बेहतर और सुगम सुविधा मिल सके। मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो तथा स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि दुर्ग शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की सुविधा और आवश्यकता के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस अवसर पर पार्षद सरस निर्मलकर, गुलाब वर्मा, श्रीमती रेशमा सोनकर, मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर सहित वार्डवासी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनुशासन, धैर्य एवं सही निर्णय लेने की क्षमता सिखाता है शतरंजः विधायक ललित चंद्राकर

शतरंज चैम्पियनशिप में दुर्ग के यशद एवं महिला वर्ग में रायपुर की सावी बनी राज्य चैम्पियन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ व खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशन में अग्रसेन जन कल्याण समिति एवं अग्रसेन महिला कल्याण समिति भिलाई के सहयोग से जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा 10 से 13 सितम्बर तक भिलाई के अग्रसेन भवन में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट सिनियर फीडे रेटेड शतरंज चैम्पियनशिप में कुल आठ में से सात अंक प्राप्त कर सिनियर वर्ग में दुर्ग जिले के खिलाड़ी यशद बांबेश्वर /1970/ एवं महिला वर्ग में रायपुर की सावी गौरी/1576/ ने 6अंक प्राप्त कर राज्य विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर, कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रसेन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष बंशी अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि अग्रसेन महिला कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती उमा अग्रवाल, समाजसेवी

कैलाश जैन बरमेचा, प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी , अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं विक्रम अवॉर्डी सुश्री किरण अग्रवाल ने विजेता एवं भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों को ट्रॉफी मोमेंटो एवं मेडल देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक ललित चंद्राकर ने शतरंज को राजा महाराजा के समय का खेल बताते हुए अनुशासन,धैर्य एवं सही निर्णय लेने वाला खेल बताया और कहा कि शतरंज खेलने वाला खिलाड़ी अपने जीवनकाल में किसी भी परिस्थिति में सही निर्णय की क्षमता रखता है और हर क्षेत्र में सफलता हासिल करता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष अग्रसेन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष बंशी अग्रवाल ने आयोजन की सराहना करते हुए प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए हमेशा हर सम्भव सहयोग प्रदान करने की घोषणा करते हुए शतरंज को दिमागी कौशल का खेल बताया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती उमा अग्रवाल ने शतरंज हमें जीवन जीने की कला भी सिखाता है। समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने भी शतरंज को दूरदृष्टी सोच वाला खेल बताते हुए कहा कि शतरंज खेलने से हमारे मानसिक बौद्धिक विकास में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई दी तथा कहा कि आयोजन से क्षेत्र की प्रतिभा निखरकर सामने आती है।

प्रदेश शतरंज संघ के महासचिव विनोद राठी ने उपस्थित खिलाड़ियों को शतरंज की बारीकियों से अवगत कराते हुए कहा कि कड़ी मेहनत लगन से हम हर मुकाम हासिल कर सकते हैं उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में शतरंज का भविष्य उज्जवल है तथा यहां भविष्य में कोई न कोई खिलाड़ी ग्रैंड मास्टर जरूर बनेगा।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत एवं सचिव तुलसी सोनी ने स्पर्धा संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के 21 जिलों के 140 प्रतिभागियों ने स्पर्धा में भाग लिया था। जिसमें 107 पुरुष एवं 33 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। जिसमें से 72 रेटेड खिलाड़ी भी शामिल हैं। स्पर्धा कुल 8 चक्रों में खेली गई। स्पर्धा में कुल एक लाख पांच हजार रुपए के नगद राशि के अलावा विजेताओं को ट्रॉफी, मोमेंटो एवं भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान यशद बांबेश्वर/ पंद्रह हजार रुपए नगद एवं ट्रॉफी,दुर्ग/ द्वितीय स्पर्श खंडेलवाल/ग्यारह हजार रुपए एवं ट्रॉफी, राजनांदगांव/ तृतीय गगन साहु/नव हजार रुपए एवं ट्रॉफी, रायगढ़/ चतुर्थ शुभम सिंह/ सात हजार रुपए एवं ट्रॉफी, रायपुर/ पांचवा उत्कर्श यादव/ पांच हजार रुपए एवं मोमेंटो, रायपुर/ छठवां लोकेश पांडे/ चार हजार रुपए एवं मोमेंटो, बिलासपुर/ सातवां प्रभमन सिंग मल्होत्रा/ ढाई हजार रुपए एवं मोमेंटो,कोरबा/ आठवां यश सिंह/ मोमेंटो, रायपुर/ नवमा सालिक नवाज मनिहार/ ढाई हजार रुपए एवं मोमेंटो, राजनांदगांव/ दसवां विवान रॉय / ढाई हजार रुपए एवं मोमेंटो, रायपुर आदि है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

गणेश चतुर्थी के रंग में रंगा छत्तीसगढ़

117 वर्षों से चले आ रहे गणेशोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री, की प्रदेश की खुशहाली की कामना

- गोल बाजार में विराजे विघ्नहर्ता की विधि विधान से की पूजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर का ऐतिहासिक गोल बाजार आज गणपति बप्पा की भक्ति और उत्सव के उल्लास से सराबोर रहा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज रात्रि गोल बाजार पहुंचे और यहां श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति द्वारा विराजित विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने भगवान गणेश से छत्तीसगढ़ के प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति करती है यह आयोजन, 150 साल पुराना है हनुमान मंदिर

मुख्यमंत्री श्री साय ने गोल बाजार स्थित हनुमान मंदिर के समीप गणेशोत्सव पंडाल में विराजित भगवान श्री गणेश को मुकुट पहनाया और तिलक लगाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच भगवान गणेश की आरती उतारी और विघ्नविनायक से प्रदेश की प्रगति, समृद्धि तथा प्रदेशवासियों के मंगलमय जीवन के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान श्री गणेश प्रथम पूज्य, विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं। गणेशोत्सव हमारी आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व होने के साथ समाज को एक सूत्र में जोड़ने वाली हमारी समृद्ध परंपरा का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गणपति बप्पा की कृपा से छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े तथा प्रदेश के हर घर-परिवार में सुख और खुशहाली का वास हो, यही उनकी कामना है।

मुख्यमंत्री ने गोल बाजार में 117 वर्षों से निरंतर चली आ रही गणेशोत्सव की गौरवशाली परंपरा की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी आस्था और सामाजिक सहभागिता के साथ किसी सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखना अपने आप में विशेष है। ऐसी परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जोड़ती हैं।

उल्लेखनीय है कि राजधानी के ऐतिहासिक गोल बाजार स्थित हनुमान मंदिर के समीप श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति द्वारा पिछले 117 वर्षों से गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। यहां विराजित होने वाली गणेश प्रतिमा अपनी भव्यता और आकर्षक स्वरूप के कारण गोल बाजार ही नहीं, पूरे रायपुर में श्रद्धालुओं की आस्था और आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहती है। गणेशोत्सव के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां भगवान गणेश के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय के गोल बाजार पहुंचने पर गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारियों, स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की मंगलध्वनि और गणपति बप्पा के जयकारों के बीच मुख्यमंत्री का फूल-मालाओं से अभिनंदन किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें गजमाला पहनाकर स्वागत किया। पूरे परिसर में गणेशोत्सव का उल्लास और भक्तिमय वातावरण दिखाई दिया।

भगवान गणेश के दर्शन और पूजा-अर्चना के पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय गोल बाजार में ही स्थित 150 वर्ष से अधिक पुराने हनुमान मंदिर पहुंचे। उन्होंने यहां भगवान हनुमान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने राजधानी की इस प्राचीन धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, श्रीचंद सुंदरानी, केदार गुप्ता, छगन मूंदड़ा, अमरजीत छाबड़ा सहित गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारी, स्थानीय जन प्रतिनिधि, व्यापारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवानव श्रीगणेश का आशीर्वाद लिया।

मुख्यमंत्री निवास में विराजे विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश, सपरिवार की पूजा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने परिवारजनों के साथ पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाज से विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश बुद्धि, और विवेक के प्रतीक हैं। किसी भी शुभ कार्य का प्रारंभ भगवान गणेश की आराधना से करने की हमारी प्राचीन परंपरा रही है। गणेशोत्सव हमारी आस्था का पर्व होने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता को सुदृढ़ करने वाला उत्सव भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में तीज-त्योहारों और उत्सवों का विशेष महत्व है। हमारे पर्व हमें अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ परिवार और समाज को भी एक सूत्र में पिरोते हैं। गणेशोत्सव का उल्लास भी हमें सामूहिकता, सद्भाव और लोकमंगल की भावना से जोड़ता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के परिवारजन, मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेंद्र तिवारी, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह तथा मुख्यमंत्री निवास कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कृषि मंत्री के घर विधि-विधान से स्थापित हुए गणपति बप्पा, सपरिवार की पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर कृषि एवं आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम के अपने शासकीय निवास परिसर, अटल नगर नवा रायपुर में आज भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विधि-विधान एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ स्थापना एवं पूजा-अर्चना कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मंत्री श्री नेताम ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश रिद्धि-सिद्धि और बुद्धि के देवता हैं तथा उनका आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल लेकर आए।

मंत्री श्री नेताम ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश सभी के जीवन से बाधाओं को दूर कर सुख, शांति, समृद्धि और सफलता प्रदान करें।

गृहमंत्री शर्मा ने मुड़घुसरी में तीन सड़क का किया भूमिपूजन

बोड़ला विकासखंड को बड़ी सौगात, वनांचल में पहुंची विकास की किरण

- बैगा बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार तक पहुंचना होगा आसान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वनांचल के गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड को बड़ी सौगात मिली है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम मुड़घुसरी में 1.48 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले तीन सड़क मार्गों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कुल 15.40 किमी लंबाई के इन सड़क मार्गों के निर्माण से बैगा बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामीणों का आवागमन आसान होगा और शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार सहित अन्य जरूरी सेवाओं तक उनकी पहुंच बेहतर होगी।

भूमिपूजन के अंतर्गत मुड़घुसरी से ठाकुरटोला मार्ग का 3.30 किलोमीटर, ठाकुरटोला से बांटीपथरा मार्ग का 4.00 किमी तथा सिंघारी से पांडातराई मार्ग का 8.40 किमी लंबाई में निर्माण किया जाएगा। इन मार्गों के बेहतर होने से वनांचल के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा मजबूत होने के साथ ही क्षेत्र में विकास कार्यों और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि वनांचल क्षेत्रों का विकास शासन की प्राथमिकता है। सड़क सहित मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में विकास की नई संभावनाओं का मार्ग भी खोलती है। सड़क मार्गों के नवीनीकरण से वनांचल के ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। बेहतर सड़क सुविधा से विद्यार्थियों, मरीजों, किसानों और आम नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार तथा अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। इससे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों और विकास कार्यों को भी गति मिलेगी।

इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, श्री नितेश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्री राम कुमार भट्ट, नगर पंचायत अध्यक्ष बोड़ला श्री विजय पाटिल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशीराम धुर्वे, श्री संतोष पटेल, श्री मनीराम साहू, श्री भुनेश्वर चंद्राकर, श्री रामकिंकर वर्मा, श्री खिलेश्वर साहू सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से किया संवाद, सुनीं मांग और समस्याएं

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्रामवासियों से आत्मीय संवाद किया और उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से गांव में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा आवश्यक विकास कार्यों के संबंध में जानकारी ली और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति भी जानी। उन्होंने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने कहा। उन्होंने कहा कि गांव के विकास में ग्रामीणों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। शासन द्वारा विकास कार्यों और योजनाओं के माध्यम से सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

'आशीर्वाद का दीया' महासमुंद में जगमगाएंगे सेवा-संकल्प के 6 लाख दीप

- प्रधानमंत्री की 25 वर्षों की सेवा यात्रा को समर्पित अभियान में हर घर दीप जलाने का आह्वान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा, समर्पण, सुशासन और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत महासमुंद जिले में 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जिलेभर में करीब 6 लाख दीप प्रज्वलित कर सेवा, सुशासन और जनकल्याण के प्रति सामूहिक संकल्प व्यक्त किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा को समर्पित यह आयोजन जिले में जनभागीदारी के एक बड़े उत्सव का स्वरूप लेगा।

कार्यक्रम का मुख्य आयोजन अटल परिसर, महासमुंद में होगा, जहां लगभग 8 हजार दीपों से परिसर को रोशन किया जाएगा। इसके साथ ही जिले के प्रमुख मंदिरों, चौक-चौराहों, ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों, पंचायत भवनों, पीडीएस भवनों, अमृत सरोवरों, ग्रामीण बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से हर घर एक दीया जलाकर इस जनअभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर की शाम महासमुंद जिले में सेवा और संकल्प की सामूहिक रोशनी दिखाई देगी। कार्यक्रम के लिए समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं। शाम 5 बजे से 6 बजे तक विभिन्न चिन्हित स्थलों पर साज-सज्जा, बैठक व्यवस्था तथा ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था पूरी की जाएगी। इसके बाद 6 बजे से 6:30 बजे तक दीप प्रज्वलन की तैयारी एवं रंगोली प्रदर्शन किया जाएगा।

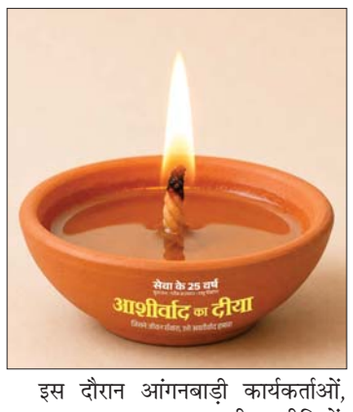

इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्व-सहायता समूह की दीदियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी। शाम 7 बजे जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी चिन्हित शहरी चौक, ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों और मोहल्लों में एक साथ सामूहिक दीप प्रज्वलन किया जाएगा। हजारों दीपों से जगमगाता महासमुंद सेवा, संकल्प, सुशासन और जनभागीदारी का संदेश देगा।

कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में 5 लाख 51 हजार से अधिक दीप प्रज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रत्येक शासकीय प्रतिष्ठान, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के आवास, अमृत सरोवर, पंचायत भवन, पीडीएस भवन एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर दीप जलाए जाएंगे।

विकासखंडवार दीप प्रज्वलन का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। महासमुंद में लगभग 1 लाख 5 हजार, बसना में 1 लाख 2 हजार, पिथौरा में 1 लाख 26 हजार, बागबाहरा में 1 लाख 11 हजार तथा सरायपाली में 1 लाख 7 हजार दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इस प्रकार अकेले ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 5 लाख 51 हजार दीपों से सेवा और संकल्प की रोशनी बिखरेगी।

वहीं नगरीय क्षेत्रों में बसना, पिथौरा, तुमगांव एवं सरायपाली में लगभग 20 हजार दीप प्रज्वलित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में प्रारंभिक रूप से लगभग "5 लाख 83 हजार दीप" प्रज्वलित किए जाएंगे। जनभागीदारी के माध्यम से इस संख्या को बढ़ाकर करीब 6 लाख दीप तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री अनुपमा आनंद ने टास्कफोर्स एवं सभी नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सभी आवश्यक तैयारियां 16 सितंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रभारी कलेक्टर ने कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी से सफल बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जिले के प्रत्येक क्षेत्र और वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को चिन्हित स्थलों पर दीप, प्रकाश, साज-सज्जा, रंगोली, बैठक एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

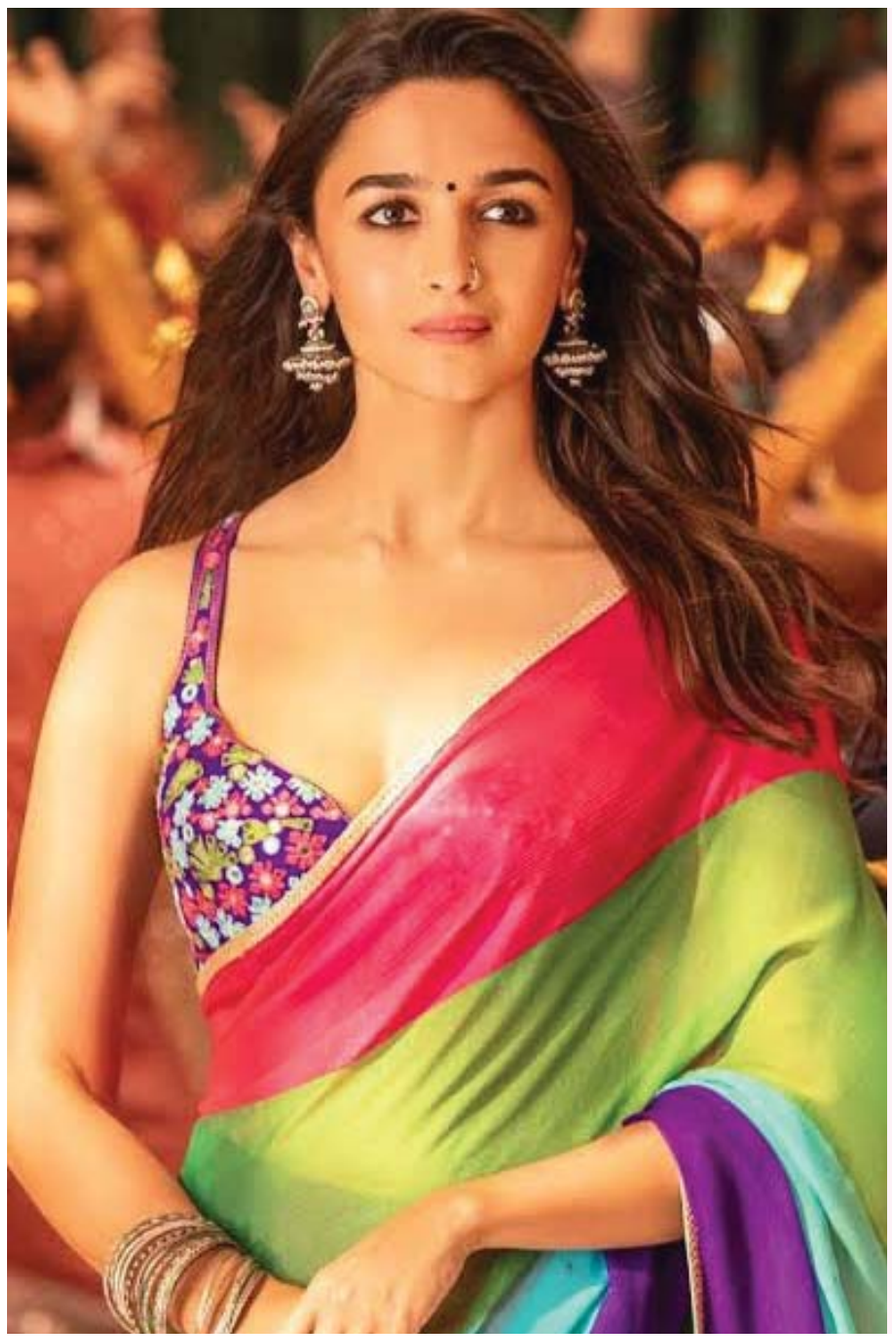

बतौर निर्माता डोंट बी शाय को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं आलिया भट्ट

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रोड्यूस आगामी फिल्म डोंट बी शाई को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि वह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, नहीं, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।

आलिया ने फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने से उन्हें एक अलग तरह की खुशी मिली है, क्योंकि वह शुरू से ही इसकी कहानी और इसकी दुनिया बनाने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, 14 साल पहले मैंने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से एक एक्टर के तौर पर अपना डेब्यू किया था और अब इतने सालों बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस कर रही हूं और मैं अभी उनसे कहीं ज्यादा नर्वस हूं।

क्योंकि, आपके सवाल का जवाब दूं तो, मुझे एक एक्टर होना और कैमरे के सामने रहना पसंद है, लेकिन एक प्रोड्यूसर होने का एक अलग ही तरह का सुकून है। एक्ट्रेस ने आगे कहा: जब फिल्म की निर्देशक श्रीति मुखर्जी हमारे पास इस मूवी बनाने का आइडिया लेकर आईं, तो हमने ही कहा कि चलो इसे साथ में करते हैं और फिर हम इसे अपने प्यारे पार्टनर्स के पास ले गए।

यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है और हर कोई इससे जुड़ पाएगा। श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म डोंट बी शाय 20 साल की लड़की श्यामिली शाइ दास की कहानी है, जो मानती है कि उसने ज़िंदगी को समझ लिया है, लेकिन वह देखती है कि उसकी सोची-समझी जिंदगी एक अचानक मोड़ ले लेती है, क्योंकि सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है।

इसमें आरुषि बजाज, पीयूष खाती, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल जैसे नए चेहरे मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ कुणाल रॉय कपूर और नेहा धूपिया भी नजर आएंगे। 25 सितंबर 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।

गैंगस्टर ड्रामा में रोमांस का तड़का लगाएंगे मोहित सूरी और रामू

फिल्म 'सैयारा' के बाद मोहित सूरी नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस बार फिल्म बनाने में राम गोपाल वर्मा भी साथ हैं। रामू ने दिलचस्प अंदाज में फिल्म का एलान किया है। साल 2025 में आई मोहित सूरी निर्देशित फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में खूब बवाल काटा था। अब वे एक और फिल्म के साथ हाजिर होने वाले हैं। मोहित सूरी नई फिल्म राम गोपाल वर्मा के साथ बनाएंगे। रामू ने बड़े ही रोचक अंदाज में फिल्म की जानकारी फैंस के साथ साझा की है।

राम गोपाल वर्मा ने शेयर किया पोस्ट

राम गोपाल वर्मा और मोहित सूरी एक नई फिल्म पकाने वाले हैं। फिल्म के लिए पकाने जैसा शब्द इसलिए इस्तेमाल किया है, क्योंकि इन्होंने अपनी नई फिल्म का एलान ही कुछ इस अंदाज में किया, मानो कोई व्यंजन पेश करने वाले हैं।

राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी और मोहित सूरी की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'मैं और 'सैयारा' वाले मोहित सूरी अगली फिल्म साथ में पका रहे हैं। एक लव डिश जो गैंगस्टर करी से भरपूर होगी। पूरी डिटेल्स आप सभी को जल्द परोसी जाएंगी।

मोहित सूरी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह फो री-शेयर की और क्रत के लिए अपना लगाव जाहिर किया। उन्होंने लिखा, उनकी फिल्में देखने और फिल्ममेकर बनने का सपना देखने से लेकर. उनके साथ फिल्म बनाने तक...और वो भी खुद 'OG गैंगस्टर' राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म बनाने का सपना मिला है। कुछ सफर सच में पूरे हो जाते हैं। यह बात सीधे दिल से निकल रही है'।

एलान के साथ फैंस उत्साहित

फिलहाल तो दोनों फिल्म मेकर्स ने एक छोटा सा अपडेट देकर फैंस का उत्साह बढ़ा दिया है। उम्मीद है कि जल्द ही वे पूरी जानकारी भी साझा करेंगे। फैंस के साथ-साथ सेलेब्स के भी रिएक्शन आ रहे हैं। शमिता शेट्टी ने लिखा, 'वाह'। वहीं, जाकिर खान ने कहा, 'भाई भाई भाई'।

रश्मिका-विजय की राणाबाली का टीजर रिलीज, खुलेगा सालों पुराना दफन इतिहास

साउथ के बेहतरीन अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म रणबाली का टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म में विजय देवरकोंडा रणबाली के मुख्य किरदार में हैं। वहीं रश्मिका मंदाना उनकी पत्नी जयम्मा के किरदार में हैं। यह फिल्म एक ऐतिहासिक कहानी पर आधारित है।

लगभग ढाई मिनट के टीजर में दिखाया गया है कि 19वीं सदी में ब्रिटिश शासनकाल के दौरान भारतीयों पर अत्याचार होता है। उसी दौर में एक योद्धा जन्म लेता है, जो अंग्रेजों के अत्याचार के परशान होकर हथियार उठा लेता है। रणबाली के किरदार में विजय देवरकोंडा अंग्रेजों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं।

टीजर में विजय देवरकोंडा बहुत ही खतरनाक रोल में दिखे हैं। वह जबरदस्त एक्शन मोड में नजर आए हैं। वह कभी खंजर से तो कभी बंदूक से अंग्रेजों को निशाना बनाते हैं। टीजर में रश्मिका मंदाना की भी झलक दिखी है। इसमें अंग्रेजों का किरदार निभाने वाले कलाकारों ने अच्छा काम किया है।

विजय देवरकोंडा की इस बिग-बजट फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में नया पोस्टर जारी किया था। इसके साथ इसकी रिलीज डेट का भी एलान किया था। रणबाली 'दुनियाभर के सिनेमाघरों में 16 अक्तूबर 2026 को रिलीज होगी।

रणबाली की कहानी अच्छाई की बुराई पर जीत के जज्बे को दिखाती है। ऐसे में मेकर्स ने फिल्म की रिलीज के लिए दशहरे के खास और शुभ मौके को चुना है।

राहुल संकृत्यायन के निर्देशन में बनी रणबाली दर्शकों को एक दमदार और रोमांचक कहानी के साथ बीते दौर में ले जाने वाली है। नए पोस्टर में फिल्म की झलक काफी इंटेंस नजर आ रही है, जहां आग और धुएं से भरे माहौल के बीच विजय देवरकोंडा एक रफ और खतरनाक अवतार में दिख रहे हैं। उनके हाथ में एक भारी घुमावदार हथियार भी नजर आ रहा है।

गणेश चतुर्थी पर सामने आई 'सिया-राम' की पहली झलक रणबीर-साई के नए पोस्टर ने बढ़ाया रामायण का क्रेज

'रामायण' ने गणेश चतुर्थी पर फैंस को दिया डबल सरप्राइज, पहला गाना 'जय जय राम' भी रिलीज

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'रामायण' को लेकर फैंस का एक्साइटमेंट लगातार बढ़ रहा है। गणेश चतुर्थी के खास मौके पर मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें रणबीर कपूर और साई पल्लवी भगवान राम और माता सीता के किरदार में नजर आ रहे हैं।

'सिया-राम' के रूप में दिखे रणबीर-साई

म्यूजिक लेबल टी-सीरीज ने सोशल मीडिया पर 'सिया-राम' का नया पोस्टर शेयर किया। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता के रूप में दिखाई दे रही हैं। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा कि यह 'सिया-राम के शाश्वत बंधन' का जश्न है। पोस्टर सामने आते ही फैंस के बीच फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। खासतौर पर रणबीर और साई की जोड़ी को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है।

ट्रेलर में दिखी रामायण की झलक

हाल ही में 'रामायण' का ट्रेलर भी सामने आया था। इसमें यश को रावण के किरदार में दमदार अंदाज में पेश किया गया है। वहीं रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता के रूप में नजर आती हैं। ट्रेलर में राम-सीता विवाह, कैकेयी की इच्छा और 14 साल के वनवास की झलक भी देखने को मिली। फिल्म में रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत हंस जिमर और एआर रहमान ने तैयार किया है।

अरिजीत-श्रेया की आवाज में गूंजा राम नाम

'जय जय राम' को अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है। गाने की शुरुआत और इसकी पूरी धुन में श्रीराम के नाम का बार-बार स्मरण सुनाई देता है, जो इसे एक भक्तिमय एहसास देता है। वहीं, इसकी प्रस्तुति इसे सिर्फ एक आरती तक सीमित नहीं रखती, बल्कि एक भव्य सिनेमाई गीत का रूप देती है। गाने के बोल भगवान राम के करुणामय स्वरूप, उनकी रक्षा करने की भावना और धर्म के प्रति उनकी निष्ठा को सामने रखते हैं। फिल्म के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल 'द वर्ल्ड ऑफ रामायण' ने भी गाने को सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

एआर रहमान ने गाने के बारे में कहा कि इसका मकसद श्रीराम की प्रार्थना की पवित्रता और आत्मीयता को बनाए रखना था। उनके मुताबिक, 'जय जय राम' के केंद्र में श्रीराम के नाम का सरल और प्रभावशाली जाप है। रहमान ने बताया कि अरिजीत और श्रेया ने कुमार विश्वास के शब्दों को अपनी अलग भावनात्मक अभिव्यक्ति दी है, लेकिन गाने की मूल भक्ति भावना को बरकरार रखा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह गीत दर्शकों को शांति और व्यक्तिगत जुड़ाव का एहसास देगा।

दिवाली पर सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

'रामायण: पार्ट 1' दिवाली 2026 के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं 'रामायण: पार्ट 2' को दिवाली 2027 में रिलीज करने की तैयारी है। ऐसे में मेकर्स धीरे-धीरे फिल्म के किरदारों, संगीत और कहानी से जुड़े नए अपडेट सामने ला रहे हैं।

तनाव को कम करने में सहायक है साउंड बाथ थेरेपी, जानिए इसके पांच फायदे

साउंड बाथ थेरेपी एक खास तकनीक है, जो तनाव को कम करने और मन को शांत करने में मदद करती है। इसमें अलग-अलग प्रकार की आवाजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके मन और शरीर को सुकून देती हैं। यह तरीका न सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि शारीरिक आराम भी देता है। आइए जानते हैं कि साउंड बाथ थेरेपी के क्या-क्या फायदे हैं, ताकि आप भी इसका लाभ उठा सकें।

मन को शांत करने में मददगार

साउंड बाथ थेरेपी में इस्तेमाल होने वाली ध्वनियां आपके मन को स्थिर करती हैं। जब आप इस थेरेपी का अनुभव करते हैं तो बाहरी शोरगुल से दूर होकर एक शांत माहौल में पहुंचते हैं। इससे आपका मन शांत होता है और आप एक नई ऊर्जा महसूस करते हैं। यह तरीका आपके दिमाग को आराम देता है और चिंता को कम करने में मदद करता है। इससे मन की चिंताएं दूर होने लगती हैं।

अच्छी नींद पाने में सहायक

अगर आपको नींद आने में परेशानी होती है तो साउंड बाथ थेरेपी आपके लिए मददगार हो सकती है। इस थेरेपी के दौरान सुनाई देने वाली आवाजें आपके दिमाग को शांत करती हैं और आपको बेहतर नींद लेने में मदद करती हैं।

नियमित रूप से इस थेरेपी का इस्तेमाल करने से आपकी नींद की गुणवत्ता सुधरती है और आप सुबह ताजगी महसूस करते हैं।

इसे करवाने के बाद शरीर आराम की स्थिति में आ जाता है और नींद आ जाती है।

शरीर को आराम देने के लिए सही

साउंड बाथ थेरेपी से न सिर्फ मन को सुकून मिलता है, बल्कि यह शरीर को भी आराम देती है।

इसमें सुनाई देने वाली आवाजें आपके शरीर की थकी हुई मांसपेशियों को राहत देती हैं, जिससे उनका तनाव धीरे-धीरे कम होने लगता है।

इससे आपका शरीर हल्का और आरामदायक महसूस करता है। यह थेरेपी थकान और तनाव को दूर करने का एक अच्छा तरीका है। इससे दर्द आदि से भी राहत मिल सकती है।

ध्यान के लिए सबसे बढ़िया विकल्प

साउंड बाथ थेरेपी से आपकी ध्यान लगाने की क्षमता बढ़ती है। इस थेरेपी के दौरान आप केवल सुनाई देने वाली आवाजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे आपका मन एक जगह पर टिकता है। यह आपकी सोचने और समझने की ताकत को बढ़ाने में मदद करता है। इसके नियमित अभ्यास से आप अपने काम में अधिक ध्यान और फोकस ला सकते हैं। साथ ही इससे मानसिक स्वास्थ्य धीरे-धीरे ठीक होता है।

भावनाओं को संतुलित करने में फायदेमंद

साउंड बाथ थेरेपी आपकी भावनाओं को संतुलित करने में भी मदद कर सकती है। जब आप इसे अपनाते हैं तो आपके अंदर की नकारात्मक सोच और भावनाएं कम हो जाती हैं।

यह थेरेपी आपको सकारात्मक सोचने और बेहतर महसूस करने में मदद करती है। इसे अपनाकर आप अपने जीवन को खुशहाल और तनावमुक्त बना सकते हैं।

इन फायदों को जानने के बाद आप जरूर इस खास थेरेपी को अपनाना चाहेंगे।

आठवें दशक में भी सीखने की ललक

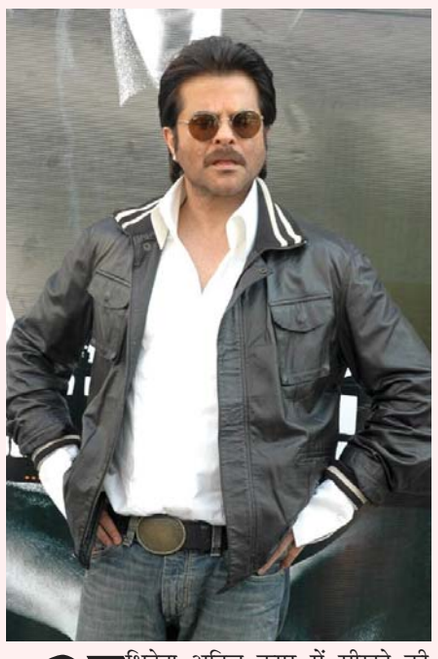

अभिनेता अनिल कपूर में सीखने की ललक और फिश्चटनेस आज भी युवा कलाकारों के जैसी मानी जाती है। करीब 70 वर्ष के होने के बावजूद फिल्मों और वेब सीरीज में सक्रिय हैं। आजकल वे 'अल्फा', 'किंग' और 'चीफ' जैसी कई फिल्मों में व्यस्त हैं। अनिल कपूर ने अपने लंबे कैरियर में लगभग 200 फिल्मों में विविधतापूर्ण रोल निभाए। कई दिग्गज अभिनेताओं के साथ काम किया। दर्शकों के बीच उन्हें भरोसेमंद अभिनेता माना जाता है।

एक दौर था जब उम्रदराज़ होने के बावजूद अभिनेता अनिल कपूर की जबरदस्त एक्टिंग पॉवर के साथ ही उनकी फिटनेस की भी खूब तारीफ होती थी। अब 70 के करीब पहुंच चुके अनिल कपूर अपनी उस इमेज को बनाए रखने की भरपूर कोशिश करते हैं। लेकिन जब वह कुछ एजेंडाधारी निर्देशकों के संपर्क में आए, दर्शक उनसे कन्नी काटने लगे।

वह इन दिनों 'अल्फा', 'किंग' और रघुवीर राठौड़ की तेलुगु फिल्म 'चीफ' जैसी बड़ी फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। इनमें से सभी फिल्में उनके लिए काफी अहम हैं, क्योंकि इनमें उनका किरदार काफी अहम है। 'किंग' में वह शाहरुख के साथ सेंट्रल कैरेक्टर कर रहे हैं, वहीं 'अल्फा' में वह फिर एक बार आर्मी ऑफिसर के पावरफुल रोल में दिखाई पड़ेंगे। रघुवीर राठौड़ की 'चीफ' में भी उनका सेंट्रल करेक्टर है। वह इन दिनों चार-पांच फिल्मों में छोटे-बड़े रोल कर रहे हैं। दूसरी ओर पिछले कुछ साल से उन्होंने वेब सीरीज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। 'द नाइट मैनेजर', 'फैमिली गाय', 'बिग बॉस ओटीटी' के अलावा जल्द ही वह नेटफ्लिक्स की 'फैमिली बिजनेस' में दिखाई पड़ेंगे। वह कहते हैं, 'वेब सीरीज का अपना अलग कॉन्सेप्ट होता है। अब तो मैंने यहां के स्टाइल ऑफ मेकिंग को एंजॉय करना सीख लिया है।'

सही मायने में मिस्टर हीरो

बात संभवत: 87-88 की है। कोलकाता से प्रकाशित होने वाली आनंद बाजार पत्रिका के हिंदी प्रकाशन 'रविवार' ने अभिनेता अनिल कपूर पर एक कवर स्टोरी 'मिस्टर हीरो' शीर्षक से छापी थी। तब संपादक ने हिदायत दी, 'अनिल कपूर की तस्वीर के साथ सिर्फ 'मिस्टर हीरो' शीर्षक जाएगा।' वाकई 50 साल के लगभग होने को आए, इन वर्षों में अनिल कपूर इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा भरोसेमंद कलाकारों में से एक साबित हुए हैं। लेखक-निर्देशक अनीस बज्मी बताते हैं, 'कुछ नया सीखने की उनकी ललक जबरदस्त है। उनके दीर्घकालीन एक्टिंग कैरियर का मूलमंत्र यही रहा है।'

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का महत्वाकांक्षी विशेष अंतरराष्ट्रीय हेरिटेज टूर

जापानी डेलीगेट्स ने देखी छत्तीसगढ़ की विरासत

- एहिमे यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने देखा छत्तीसगढ़ का वैभव
- लक्ष्मण मंदिर, आनंद प्रभु कुटी विहार, स्वास्तिक विहार, तीवरदेव महाविहार का किया भ्रमण
- वैश्विक अकादमिक एवं पर्यटन संवाद में सिरपुर को नई पहचान दिलाने की पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने जापान के मत्सुयामा स्थित एहिमे यूनिवर्सिटी के 17 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के लिए विशेष हेरिटेज टूर का आयोजन किया। अकादमिक एवं शोध सहयोग के उद्देश्य से 12 से 14 सितंबर 2026 तक एनआईटी रायपुर द्वारा होस्ट किए गए जापानी डेलीगेशन ने 14 सितंबर को प्राचीन ऐतिहासिक नगरी सिरपुर का भ्रमण कर छत्तीसगढ़ की उस विरासत को करीब से जाना, जिसमें बौद्ध, हिंदू और जैन संस्कृति का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

मुख्य हॉस्पिटैलिटी एवं आयोजन सहयोगी के रूप में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के लिए सिरपुर में विशेष हेरिटेज टूर की व्यवस्था की। डेलीगेशन को सिरपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्थापत्य कला, पुरातात्विक महत्व और धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराने के लिए विशेषज्ञ स्थानीय गाइड की सेवाएं ली गईं। साथ ही जापानी मेहमानों की खान-पान संबंधी पसंद को ध्यान में रखते हुए विशेष हॉस्पिटैलिटी एवं भोजन की व्यवस्था भी की गई।

सिरपुर - इतिहास, धर्म और स्थापत्य का अद्भुत संगम

महानदी के तट पर बसा सिरपुर प्राचीन काल में श्रीपुर के नाम से जाना जाता था और दक्षिण कोसल की राजधानी के रूप में इसका महत्वपूर्ण स्थान रहा। वर्तमान सिरपुर में हुए पुरातात्विक उत्खननों से बौद्ध विहारों, हिंदू मंदिरों, जैन अवशेषों तथा अन्य प्राचीन संरचनाओं का विस्तृत संसार सामने आया है। यहां बौद्ध, हिंदू और जैन परंपराओं से जुड़े अनेक पुरातात्विक अवशेष मौजूद हैं।

जापानी प्रतिनिधिमंडल ने इस ऐतिहासिक नगरी के प्रमुख विरासत स्थलों का भ्रमण करते हुए यहां की स्थापत्य परंपरा और प्राचीन सांस्कृतिक जीवन को समझा। उनके लिए यह भ्रमण केवल पर्यटन नहीं, बल्कि भारत और जापान के बीच अकादमिक, सांस्कृतिक और विरासत संवाद का एक जीवंत अनुभव रहा।

लक्ष्मण मंदिर - ईंटों में उकेरी अद्भुत स्थापत्य कला

डेलीगेशन के भ्रमण का प्रमुख आकर्षण लक्ष्मण मंदिर रहा। लगभग सातवीं शताब्दी से संबद्ध यह मंदिर भारत के उत्कृष्ट प्राचीन ईंट निर्मित मंदिरों में गिना जाता है। मंदिर की वास्तुकला, अलंकरण और ईंटों पर की गई बारीक कारीगरी सिरपुर की स्थापत्य कला को प्रदर्शित करती है। मंदिर परिसर में पुरातात्विक महत्व की अनेक प्रतिमाएं और अवशेष भी संरक्षित हैं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मंदिर की संरचना, गर्भगृह, अंतराल और मंडप सहित इसकी स्थापत्य विशेषताओं को देखा तथा स्थानीय गाइड से मंदिर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों की जानकारी प्राप्त की।

आनंद प्रभु कुटी विहार ने बताया सिरपुर का बौद्ध वैभव

इसके बाद डेलीगेशन ने आनंद प्रभु कुटी विहार का भ्रमण किया। यह सिरपुर के प्रमुख बौद्ध पुरातात्विक स्थलों में शामिल है। विहार की संरचना में केंद्रीय प्रांगण के चारों ओर कक्षों की व्यवस्था तथा सुंदर नक्काशीदार स्थापत्य तत्व दिखाई देते हैं।

यहां बुद्ध की प्रतिमा और पद्मपाणि अवलोकितेश्वर से संबंधित कलात्मक अवशेष इसकी बौद्ध विरासत को विशेष बनाते हैं। उपलब्ध पुरातात्विक विवरणों के अनुसार यहां 14 कक्षों वाला मठीय परिसर रहा है। जापानी विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने यहां प्राचीन बौद्ध शिक्षा, मठीय जीवन और स्थापत्य परंपरा के बारे में जानकारी ली।

यह स्थल उनके लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि जापान की अपनी सांस्कृतिक परंपरा में भी बौद्ध दर्शन और कला का गहरा प्रभाव रहा है।

स्वास्तिक विहार - प्राचीन वास्तु योजना का अनूठा उदाहरण

डेलीगेशन ने स्वास्तिक विहार का भी अवलोकन किया। अपने विशिष्ट स्वास्तिकाकार विन्यास के कारण यह विहार सिरपुर की पुरातात्विक विरासत में विशेष पहचान रखता है। उत्खनन से यहां बुद्ध एवं पद्मपाणि से संबंधित प्रतिमाएं और अन्य बौद्धकालीन अवशेष प्राप्त हुए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने विहार की संरचना और प्राचीन वास्तु योजना को समझा तथा यह जाना कि सदियों पूर्व सिरपुर किस प्रकार धार्मिक एवं बौद्धिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र रहा होगा।

तीवरदेव महाविहार में दिखा बौद्ध और भारतीय कला का समन्वय

हेरिटेज टूर का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव तीवरदेव महाविहार रहा। सिरपुर के प्रमुख बौद्ध स्मारकों में शामिल इस परिसर की कला में बौद्ध एवं हिंदू परंपराओं का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। यहां बुद्ध प्रतिमाओं के साथ गंगा-यमुना, गजलक्ष्मी, पौराणिक एवं अन्य अलंकरणात्मक शिल्प दिखाई देते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इस स्थल को भारतीय सांस्कृतिक समन्वय की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया और यहां की कलात्मक विशेषताओं को करीब से देखा। यह अनुभव विशेष रूप से अकादमिक एवं शोध पृष्ठभूमि से आए सदस्यों के लिए ज्ञानवर्धक रहा।

पुरातात्विक विरासत के विस्तृत संसार से हुए परिचित

सिरपुर में अब तक हुए उत्खननों से अनेक बौद्ध विहारों, शिव एवं विष्णु मंदिरों तथा जैन परंपरा से जुड़े अवशेषों का पता चला है। यहां 12 बौद्ध विहार, एक जैन विहार, बुद्ध एवं महावीर की प्रतिमाओं के साथ अनेक शिव और विष्णु मंदिरों के अवशेष सामने आए हैं। इसी समृद्ध पुरातात्विक परिदृश्य को जापानी डेलीगेशन ने स्थल पर पहुंचकर अनुभव किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने प्राचीन ईंट निर्माण, मूर्तिकला, विहारों की योजना और मंदिर स्थापत्य को विशेष रुचि के साथ देखा तथा कई स्थलों की जानकारी और दस्तावेजीकरण में भी रुचि दिखाई।

अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को स्थानीय संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने हेरिटेज टूर को केवल स्मारक भ्रमण तक सीमित न रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को स्थानीय संस्कृति और आतिथ्य से जोड़ने का भी प्रयास किया। जापानी प्रतिनिधिमंडल के खान-पान की पसंद को ध्यान में रखते हुए विशेष भोजन व्यवस्था की गई तथा स्थानीय गाइडों ने सरल एवं रोचक तरीके से सिरपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्थापत्य और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। इस दौरान जापानी विद्यार्थियों एवं प्रतिनिधियों ने सिरपुर की प्राचीनता, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विविधता में विशेष रुचि दिखाई। उनके लिए यह अनुभव भारत की विरासत को अकादमिक अध्ययन और प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से समझने का अवसर बना।

एनआईटी रायपुर ने सराहा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का सहयोग

एनआईटी रायपुर के प्रोफेसर दिलीप सिंह सिसोदिया ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल के सिरपुर भ्रमण के लिए छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा की गई व्यवस्थाओं और सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि बोर्ड की ओर से किए गए समन्वय और आतिथ्य ने जापान से आए प्रतिनिधिमंडल के लिए इस सांस्कृतिक यात्रा को सहज, यादगार और ज्ञानवर्धक बनाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के लिए इस तरह के हेरिटेज टूर केवल पर्यटन अनुभव नहीं, बल्कि विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक और अकादमिक संवाद को मजबूत करने का माध्यम भी हैं।

सिरपुर को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की महति पहल

एहिमे यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल का सिरपुर भ्रमण छत्तीसगढ़ की प्राचीन विरासत को अंतरराष्ट्रीय अकादमिक, सांस्कृतिक और पर्यटन नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का यह प्रयास राज्य की ऐतिहासिक धरोहरों को केवल घरेलू पर्यटन स्थलों के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक यात्रियों, शोधार्थियों और सांस्कृतिक अध्येताओं के लिए महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सिरपुर जैसे विरासत स्थलों में इतिहास, धर्म, कला, स्थापत्य और सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की ऐसी कहानी समाहित है, जो भारत की प्राचीन ज्ञान एवं सांस्कृतिक परंपरा को विश्व के सामने प्रस्तुत करने की व्यापक संभावनाएं रखती है। जापान के विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं प्रतिनिधियों का यह भ्रमण इसी वैश्विक सांस्कृतिक संवाद की एक सार्थक कड़ी बना।

सेवा और समर्पण के 25 वर्षों की प्रेरक यात्रा को जन-जन तक पहुंचाएगा 'सेवा संकल्प अभियान'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा संकल्प अभियान-2026 पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वर्चुअल माध्यम से बैठक ली। बैठक में मंत्री दयालदास बघेल, मंत्री राजेश अग्रवाल, अभियान के संयोजक, सह-संयोजक एवं सदस्यों के साथ 'सेवा की कहानी' और 'सेवा मेरा योगदान' थीम पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा, सुशासन और जनकल्याण की यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणादायी है। यात्रा के दौरान समाज में आए सकारात्मक बदलावों और सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

वीमेन्स अंडर 19 क्रिकेट : छत्तीसगढ़ ने पहला मैच गंवाया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ओडीशा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित विमेन्स अंडर 19 टी-20 आमंत्रण ट्रॉफी 2026 में छत्तीसगढ़ ने अपना पहला मैच गंवा दिया है। सेंचुरियन क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस टूर्नामेंट में छत्तीसगढ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया।

बंगाल ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निधारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 83 रन

बनाये। संदिग्धा पात्रा ने 21 तथा रत्ना बर्मन ने 19 रनों का योगदान दिया। अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकडा पार नहीं कर पायी। छत्तीसगढ की कप्तान महक नरवसे ने 3 विकेट झटके। पलक सिंह, नवलिन सिंह जस्सल तथा शांती बघेल ने 1-1 विकेट प्राप्त किये।

84 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ 17.5 ओवरों में केवल 65 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी। छत्तीसगढ की ओर से चांद चेलक ने 17 रन तथा अर्चिता मिस्त्री ने 13 रनों का योगदान दिया। बंगाल ए की ओर से स्निग्धा बाघ ने 3 विकेट तथा संदिग्धा पात्रा ने 2 विकेट प्राप्त किये। इस तरह बंगाल ए ने मैच 18 रनों से जीत लिया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

'आंगन मिलन सेवा' : आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए दान करें खिलौने

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बलरामपुर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को जनभागीदारी और सामाजिक सरोकार से जोड़ने की दिशा में बलरामपुर जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में 'आंगन मिलन सेवा' (आंगनबाड़ी सम्मान एवं मातृ सम्मान) कार्यक्रम 25 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप इस पहल के तहत जिले के सभी '2371 आंगनबाड़ी केन्द्रों' में आने वाले बच्चों के लिए जनसहयोग से खिलौने उपलब्ध कराए जाएंगे।

'आंगन मिलन सेवा' का उद्देश्य आंगनबाड़ी केन्द्रों को बच्चों के लिए और अधिक आनंदमय, आकर्षक तथा सीखने के अनुकूल वातावरण प्रदान करना है। इस पहल में जिले के नागरिकों की सहभागिता को विशेष महत्व दिया गया है। 'खिलौना दान इस आयोजन का सबसे आत्मीय और संवेदनशील पक्ष होगा', जिसके माध्यम से जिलेवासी आंगनबाड़ी के बच्चों के साथ सेवा, स्नेह और अपनत्व का भाव साझा कर सकेंगे।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने जिलेवासियों से अपील की है कि उनके घरों में ऐसे 'सुरक्षित, स्वच्छ एवं उपयोगी खिलौने', जिनका अब उपयोग नहीं हो रहा है, वे उन्हें आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को भेंट कर सकते हैं। इसके साथ ही इच्छुक नागरिक अपनी स्वेच्छा से नए खिलौने खरीदकर भी बच्चों को दान कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि किसी बच्चे के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए किया गया छोटा-सा प्रयास भी बेहद महत्वपूर्ण होता है। जिले के नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं और व्यवसायिक प्रतिष्ठान 25 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच अपने निकटतम आंगनबाड़ी केन्द्र पहुंचकर इस जनभागीदारी अभियान में शामिल हो सकते हैं।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र बच्चों के जीवन की 'पहली पाठशाला' हैं। यहीं से बच्चों में सीखने, समझने, संवाद करने और सामाजिक व्यवहार की प्रारंभिक नींव तैयार होती है। ऐसे में इन केन्द्रों को बच्चों के लिए अधिक जीवंत और सीखने योग्य बनाने में समाज की सहभागिता निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह करते हुए कहा कि आपका छोटा-सा सहयोग किसी बच्चे के चेहरे पर बड़ी मुस्कान ला सकता है और उसकी सीखने की यात्रा को और समृद्ध कर सकता है। बच्चों के लिए किया गया प्रत्येक छोटा प्रयास उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करने में योगदान देता है।

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सूने मकान में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी पंडरिया भूपत सिंह के दिशा-निर्देश में चौकी दामापुर पुलिस ने सूने मकान में चोरी के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार प्रार्थी चन्दुलाल साहू, पिता जयराम साहू, उम्र 58 वर्ष, निवासी चौकी दामापुर क्षेत्र ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 अगस्त से 30 अगस्त 2026 की सुबह करीब 10 बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति ने उसके घर में रखे संदूक का कुंदा तोड़कर उसमें रखे सोने एवं चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 1 लाख 45 हजार रुपये बताई गई थी। रिपोर्ट पर चौकी दामापुर, थाना कुण्डा में अपराध क्रमांक 123/2026 के तहत धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ प्रार्थी एवं गवाहों के बयान दर्ज किए तथा मामले के खुलासे के लिए विशेष टीम गठित की। विवेचना के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने संदेही राजेश धुर्वे, पिता दुखुराम धुर्वे, उम्र 35 वर्ष, निवासी ग्राम कुआमालगी, चौकी दामापुर, थाना कुण्डा, जिला कबीरधाम को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने प्रार्थी के घर में चोरी करना स्वीकार किया तथा चोरी के सामान को अपने घर में छिपाकर रखना बताया।

जॉब फ्रॉड और फिशिंग के खिलाफ साइबर जागरूकता अभियान

बीजापुर। पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत बीजापुर जिले में साइबर जागृति अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं एवं श्रमिकों को जॉब फ्रॉड और फिशिंग से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान लोगों को फर्जी नौकरी के विज्ञापनों, ऑनलाइन जॉब ऑफर और फर्जी भर्ती एजेंसियों के माध्यम से होने वाली साइबर ठगी के तरीकों की जानकारी दी जा रही है। पुलिस द्वारा नागरिकों को सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल शिकायत करने की समझाइश दी जा रही है। बीजापुर पुलिस ने नागरिकों को जागरूक करते हुए कहा कि फर्जी नौकरी के विज्ञापनों से सावधान रहें और किसी भी ऑनलाइन जॉब ऑफर की सत्यता की जांच किए बिना उस पर भरोसा न करें। फर्जी भर्ती एजेंसियों के झांसे में आने से बचें तथा रजिस्ट्रेशन, वेरिफिकेशन या नौकरी लगवाने के नाम पर किसी अनजान व्यक्ति को पैसे न दें। पुलिस ने यह भी अपील की कि किसी भी अनजान या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी, पासवर्ड एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। बीजापुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नौकरी की तलाश में जल्दबाजी या लालच में आकर किसी अनजान व्यक्ति, मोबाइल नंबर अथवा वेबसाइट पर भरोसा न करें। किसी भी जॉब ऑफर की आधिकारिक स्रोत से पुष्टि करने के बाद ही आगे की प्रक्रिया अपनाएं। यदि कोई व्यक्ति नौकरी के नाम पर साइबर ठगी का शिकार हो जाता है तो बिना देरी किए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। समय पर शिकायत करने से ठगी की रकम को सुरक्षित करने एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई में मदद मिल सकती है। स्वयं साइबर अपराध से बचें और अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी साइबर ठगी के प्रति जागरूक करें।

सक्ती में अंबेडकर प्रतिमा तोड़ने वाले 3 गिरफ्तारः नाबालिग भी पकड़ा गया, आरोपियों को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती । सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र के मेढ़ापाली गांव में अंबेडकर चौक पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मामले में एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। उसे किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया है। पुलिस के अनुसार, 11 सितंबर को अंबेडकर चौक पर प्रतिमा तोड़े जाने की सूचना मिली थी।

शिकायतकर्ता छत्रपाल आजाद की रिपोर्ट पर डभरा थाने में अपराध क्रमांक 350/26 दर्ज किया गया। पुलिस ने धारा 298 और 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मौके का नक्शा तैयार किया। शिकायतकर्ता और गवाहों के बयान दर्ज किए गए। जांच में आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने 12 सितंबर को हेमंत यादव (24), साहिल भारद्वाज (19) और अमित बसंत (20) को गिरफ्तार किया।

तीनों मेढ़ापाली गांव के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस ने गिरफ्तारी की जानकारी आरोपियों के परिवार वालों को दी। मामले में एक नाबालिग को भी पुलिस ने पकड़ा है। उसे किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच अभी जारी है।

पता पूछने के बहाने राहगीर को घेरा, धमकाकर मोबाइल-पर्स लूटा, दो आरोपी गिरफ्तार

विधि से संघर्षरत बालक अभिरक्षा में; 75 हजार के तीन मोबाइल और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेशनल हाईवे की सर्विस रोड पर राहगीर को पता पूछने के बहाने रोककर डरा-धमकाकर मोबाइल और पर्स लूटने वाले दो आरोपियों को पुरानी भिलाई एवं छावनी पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। मामले में एक विधि से संघर्षरत बालक को भी अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए तीन मोबाइल फोन, जिनकी कुल अनुमानित कीमत करीब 75 हजार रुपये है, तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर जब्त की है।

पुलिस के अनुसार 13 सितंबर 2026 की रात करीब 8:45 बजे सुरेन्द्र कुमार बघेल निवासी सुभाष चौक, शीतला पारा, भिलाई-3 घर से टहलने निकले थे। वे नेशनल हाईवे की सर्विस रोड से होते हुए बिजली ऑफिस के पास पहुंचे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार तीन युवक उनके पास पहुंचे और पता पूछने के बहाने बातचीत शुरू की।

बातचीत के दौरान तीनों युवकों ने सुरेन्द्र कुमार को घेर लिया और मोबाइल

देने की मांग की। मोबाइल देने से मना करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और जबरदस्ती उनका मोबाइल एवं पर्स छीनकर मोटरसाइकिल से फरार हो गए। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना पुरानी भिलाई में अपराध क्रमांक 510/2026, धारा 309(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए लगातार पतासाजी शुरू की। थाना पुरानी भिलाई एवं थाना छावनी की संयुक्त टीम ने संदिग्धों की जानकारी जुटाते हुए थाना छावनी क्षेत्र में घेराबंदी कर संजय देवांगन, साहिल चेलक एवं एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने वारदात में शामिल होना स्वीकार किया। इसके बाद संजय देवांगन और साहिल चेलक को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। वहीं विधि से संघर्षरत बालक के संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों का तरीका राहगीरों को मोटरसाइकिल से रोककर पहले पता पूछने के बहाने बातचीत करना था। इसके बाद वे राहगीर को घेर लेते थे और विरोध करने पर धमकी देकर मोबाइल तथा अन्य सामान लूटकर मौके से फरार हो जाते थे।

-गिरफ्तार आरोपी: 1. संजय देवांगन, पिता विनोद देवांगन, उम्र 25 वर्ष। 2. साहिल चेलक, उम्र 18 वर्ष, निवासी छावनी। 3. एक विधि से संघर्षरत बालक।

जब्त सामग्री: लूटे गए तीन मोबाइल फोन, कीमत करीब 75 हजार रुपये तथा वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल। इस कार्रवाई में थाना पुरानी भिलाई के निरीक्षक विजय यादव, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, सहायक उप निरीक्षक हिरामन रामटेके सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों अथवा गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। किसी आपराधिक घटना की स्थिति में बिना जोखिम उठाए तत्काल पुलिस को सूचना दें तथा जांच एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

नाबालिग की हत्या, झाड़ियों में मिली लाशः सिर कुचलकर मर्डर की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में नाबालिग की हत्या का मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह पुराने बस डिपो की झाड़ियों में नाबालिग की लाश मिली। उसका सिर कुचला हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, संजय मैदान क्षेत्र निवासी धनुर्जय चौहान (16) सोमवार रात चक्रधर समारोह देखने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद वह रातभर घर नहीं पहुंचा। मंगलवार सुबह पुराने बस डिपो के पास रहने वाले लोगों ने झाड़ियों के बीच एक युवक की लाश देखी। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच की। मृतक की पहचान धनुर्जय चौहान के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक, धनुर्जय के सिर को पत्थर या किसी भारी वस्तु से कुचलकर हत्या किए जाने की आशंका है। शव खून से लथपथ हालत में झाड़ियों के बीच पड़ा था। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और हत्या से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि पुलिस ने मामले में 2 से 3 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि धनुर्जय आखिरी बार किन लोगों के साथ था और उसकी हत्या किस वजह से की गई। आसपास के लोगों के मुताबिक, पुराना बस डिपो खंडहरनुमा है और यहां बड़ी-बड़ी झाड़ियां हैं। इसके चलते इलाके में नशेड़ियों का भी जमावड़ा रहता है। आशंका जताई जा रही है कि रात में नशे के दौरान किसी विवाद के बाद युवक की हत्या की गई होगी। हालांकि, अभी हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

बालोद में ढाबों पर एक साथ पुलिस की रेडः नशे में वाहन चलाने वाले 5 समेत 49 पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। बालोद पुलिस ने अवैध शराब और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने ढाबों पर दबिश देकर अवैध शराब जब्त की। साथ ही, शराब के नशे में वाहन चलाने वाले 5 लोगों समेत कुल 49 लोगों पर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई विशेष टीम और पुरूर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से की।

टीम ने इलाके के ढाबों की एक साथ जांच की। इस दौरान ग्राम पुरूर के साहू ढाबा और ग्राम बिटोडा के हाईवे ढाबा से बिक्री के लिए रखी गई देशी शराब बरामद हुई। दोनों ढाबा संचालकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों

पर भी मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार एनएच-30 पर ग्राम पुरूर स्थित साहू ढाबा में दबिश के दौरान अवैध शराब बरामद हुई। इस मामले में कुम्हारखान निवासी जगत राम साहू (28) के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इसी तरह ग्राम बिटोडा स्थित हाईवे ढाबा परिसर की जांच में बिक्री के लिए रखी गई देशी शराब मिली। पुलिस ने बिटोडा निवासी शुभम सालुंके (25) के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कार्रवाई की। मोटरयान अधिनियम के तहत कुल 49 प्रकरण बनाए गए। इनमें शराब के नशे में वाहन चलाने के 5 मामले धारा 185 के तहत दर्ज किए गए।

पति ने पत्नी को चाकू से मारा, झाड़ियों में फेंका शव, गौरेला में आपत्तिजनक हालत में देखने पर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पत्नी को दूसरे व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालत में देखने पर पति ने उसकी हत्या कर दी। आरोपी ने पहले चाकू से पत्नी के गले पर वार किया, फिर शव को झाड़ियों में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामला गौरेला थाना क्षेत्र के अंजनी गांव का है। जेपी एग्रोटेक के मजदूरों ने अंजनी गांव की झाड़ियों में एक महिला का शव देखा। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

मृतका की पहचान बिहार के पूर्णिया जिले के रूपौली निवासी लक्ष्मी कुमारी के रूप में हुई। उसके पति का नाम सुमित कुमार

यादव है। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार खिलारी के निर्देश पर पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की।

पुलिस जांच में सामने आया कि 9 सितंबर 2026 की रात करीब 2 बजे आरोपी सुमित कुमार यादव (32) ने अपनी पत्नी को कमरे में नहीं पाया। इसके बाद वह उसे ढूंढने के लिए बाहर निकला। इसी दौरान उसने पत्नी को एक परिचित व्यक्ति के साथ देखा। सुमित ने गुस्से में उस व्यक्ति को दौड़ाया। वह मौके से भाग निकला। इसके बाद सुमित और उसकी पत्नी के बीच विवाद हुआ। दोनों के बीच हाथापाई भी हुई। विवाद के दौरान सुमित ने लोहे के चाकू से पत्नी के गले पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और पूछताछ में झूठे बयान दिए। पुलिस ने घटनास्थल की जांच की और जरूरी सबूत जुटाए।

जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने सुमित कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया। गौरेला थाने में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 395/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने धारा 103(1) और 238(ख) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

पहले बॉयफ्रेंड ने दूसरे पर कैंची से किया हमलाः गर्लफ्रेंड के बात नहीं करने से नाराज था आरोपी, पुलिस ने किया अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में लव अफेयर को लेकर एक युवक ने नाबालिग पर कैंची से हमला कर दिया। हमले में किशोर के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पथर्रीपारा का है। जानकारी के अनुसार, पथर्रीपारा का रहने वाला सागर यादव (18) का एक नाबालिग लड़की के साथ अफेयर चल रहा था। कुछ समय बाद लड़की ने सागर से दूरी बना ली और उसी मोहल्ले

के दूसरे नाबालिग के करीब आ गई। इसी बात से सागर नाराज था। सोमवार रात दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर सागर यादव ने अपने पास रखी कैंची से नाबालिग के चेहरे पर कई वार किए। हमले में किशोर घायल होकर जमीन पर गिर गया। आसपास के लोगों ने चीख-पुकार सुनकर घायल किशोर को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। सिविल लाइन थाना प्रभारी आस्था शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल किशोर का बयान दर्ज किया। इसके बाद आरोपी सागर यादव को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने सागर यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (हत्या के प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया है। उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सागर यादव आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। नाबालिग रहते हुए उसे एक अन्य मामले में बाल सुधार गृह में रखा गया था। बालिग होने के बाद उसने फिर से यह घटना की है।

असिस्टेंट पोस्ट मास्टर की नौकरी लगाने का झांसा देकर 2.74 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। असिस्टेंट मैनेजर/असिस्टेंट पोस्ट मास्टर की नौकरी लगाने का झांसा देकर 2 लाख 74 हजार रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को थाना पंडरिया पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पीड़ित को विश्वास में लेकर अलग-अलग समय में रकम लेने के बाद फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया था। आरोपी के विरुद्ध थाना पंडरिया में अपराध क्रमांक 94/2025, धारा 420 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में जिले में लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा धोखाधड़ी के मामलों में आरोपियों की पतासाजी एवं गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी पंडरिया भूपत सिंह के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी पंडरिया निरीक्षक अजय सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार प्रार्थी नंदलाल चन्द्राकर, निवासी किशुनगढ़ ने 23 मई 2025 को थाना पंडरिया में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी पंकज टंडन, पिता स्व. नंदराम टंडन, उम्र 31 वर्ष, निवासी मल्दा कला, थाना हसौद, जिला सक्ती, वर्तमान पता सेक्टर पिथरी, सत्यम कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश ने असिस्टेंट मैनेजर/असिस्टेंट पोस्ट मास्टर की नौकरी लगाने का झांसा देकर अलग-अलग समय में कुल 2,74,000 रुपये लिए तथा नौकरी के नाम पर फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया। शिकायत पर थाना पंडरिया में अपराध क्रमांक 94/2025, धारा 420 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर आरोपी की पतासाजी की गई। पुलिस टीम ने गवाहों के बयान, घटनास्थल का निरीक्षण तथा अन्य तकनीकी एवं विवेचनात्मक पहलुओं पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके निवास स्थान मल्दा कला, थाना हसौद, जिला सक्ती से पकड़कर थाना लाया। उसकी प्रार्थी से पहले से जान-पहचान थी। इसी का फायदा उठाकर उसने जनवरी 2024 में पोस्ट ऑफिस में नौकरी लगाने का झांसा दिया। अ

जनशिकायत पर तत्काल कार्रवाई

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 9 के स्वास्थ्य विभाग ने सफाई से संबंधित जनशिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए विज्ञान केंद्र सड़ु मार्ग की सफाई करवाकर स्वच्छता व्यवस्था कायम की। प्राप्त जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जोन-9 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के निर्देश एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा के मार्गदर्शन में स्वच्छता निरीक्षक भोला तिवारी की उपस्थिति में जोन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विज्ञान केंद्र सड़ु मार्ग पर विशेष सफाई अभियान चलाया। अभियान के दौरान मार्ग पर जमा कचरे एवं गंदगी की सफाई करवाने के साथ ही कचरा उठवाकर स्थल को साफ किया गया। निगम की टीम ने जनहित एवं जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की।

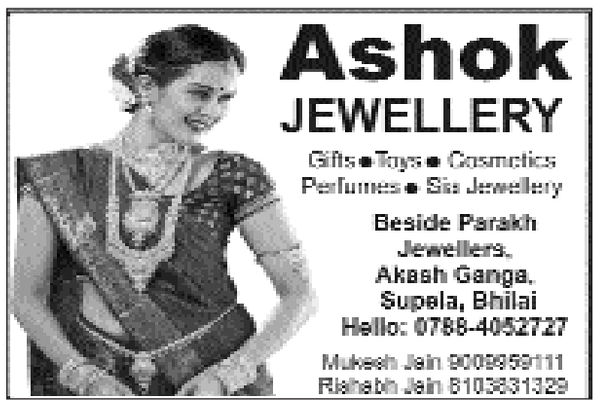

छत्तीसगढ़ शासन

श्रमिकों के सशक्तीकरण का संकल्प

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना

भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष **10 हजार रुपए** की वित्तीय सहायता सीधे हितग्राही के बैंक खाते में

4.95 लाख से अधिक पात्र परिवारों के लिए **495 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपए** की राशि का प्रावधान

RO : 48382/6

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950